RNI. MPHIN/2016/68439

दैनिक

भेल पॉवर

वर्ष- 10 | अंक-87 | भोपाल, सोमवार 25 अगस्त 2025 | पेज-8 | आमंत्रण मूल्य -1 रुपए | राजधानी भोपाल से प्रसारित

> जो लोग इस बात से अनजान हैं कि वे अंधकार में चल रहे हैं, वे कभी भी प्रकाश की तलाश नहीं करेंगे
>
> **ब्रूस ली**

पेज 4

न्यूज. ब्रीफ

ड्रग्स की तस्करी में युवतियां शामिल

रायपुर। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ड्रग कारोबार के गढ़ बनते जा रहे हैं। ड्रग के कारोबार में अब बड़े पैमाने पर यूवतियों और महिलाओं को भी शामिल किया जा रहा है। महिलाओं के माध्यम से ड्रग्स की सप्लाई आसानी के साथ हो जाती है। पुलिस इनके ऊपर शक नहीं करती है। सप्लाई के काम में बड़ी संख्या में महिलाओं का उपयोग तस्करों द्वारा किया जा रहा है। ड्रग्स के कारोबारी इस धंधे में बड़ी संख्या में महिलाओं को शामिल कर रहे हैं। रायपुर पुलिस ने छह स्थानों पर छापे मारे। 6 तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 57 लाख रुपए का ड्रग्स बरामद की है। एएसपी डॉक्टर लाल उमेद सिंह ने जानकारी देते हुए बताया, आरोपी मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू उम्र 30 वर्ष गिरोह का सरगना है।

ऑनलाइन गेमिंग घोटाले में कांग्रेस विधायक को बेंगलुरु लाई ईडी

बेंगलुरु। सिक्किम में ऑनलाइन गेमिंग घोटाले में मुख्य आरोपी के तौर पर सामने आए कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी को लेकर ईडी बेंगलुरु ले आई है। पप्पी पर ईडी ने शनिवार को अवैध धन हस्तांतरण और अवैध संपत्ति से जुड़े आरोपों के चलते गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीरेंद्र पप्पी को रविवार सुबह सिक्किम से विशेष विमान से बेंगलुरु लाया गया। जैसे ही पप्पी विमान से एयरपोर्ट पर उतरे पहले से तैनात ईडी की विशेष टीम ने उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया। एयरपोर्ट पर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। ईडी के अधिकारियों ने पप्पी को गुपचुप तरीके से अपनी गाड़ी में बैठाया और सीधे बेंगलुरु रवाना हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक वीरेंद्र पप्पी से पूछताछ के दौरान ईडी को ऑनलाइन गेमिंग घोटाले की कई अहम कड़ियों का खुलासा होने की संभावना है। यह घोटाला कई राज्यों तक फैला है और करोड़ों रुपए की हेराफेरी का मामला इसमें दर्ज है।

खड़े ट्रक से टकराई यात्रियों से भरी बस, 10 की मौत, 35 घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और 35 घायल हो गए। यह हादसा शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर नाला फेरी घाट के पास हुआ, जब गंगा सागर तीर्थयात्रा से बिहार के मोतिहारी लौट रही एक निजी बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। बस में 45 यात्री सवार थे, जिनमें छह बच्चे शामिल थे। मृतकों में आठ पुरुष और दो महिलाएं हैं। शुरूआती जांच में पुलिस का मानना है कि चालक को नींद आने के कारण बस अनियंत्रित होकर ट्रक से टकराई और पलट गई, जिससे बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोग तेज धमाके की आवाज सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और बचाव दल ने भी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक यात्री बिहार के चिरैया सरस्वती घाट क्षेत्र के रहने वाले थे, जो 8 अगस्त को मोतिहारी से देवघर और गंगा सागर गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है।

आरजी कर रेप-मर्डर मामले की जांच अब टीएमसी विधायक तक पहुंची

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए रेप-मर्डर मामले और वित्तीय घोटाले की जांच का दायरा अब राजनीतिक गलियारों तक पहुंच गया है। शनिवार को सीबीआई अधिकारियों ने टीएमसी के सेरामपुर विधायक सुदीप्तो रॉय के सिन्थी स्थित आवास पर छापा मारा। इस दौरान विधायक घर पर मौजूद नहीं थे, लेकिन जांचकताओं ने उनकी बेटी से पूछताछ की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रॉय का नाम इसलिए संदेह के घेरे में है, क्योंकि 9 अगस्त 2023 यानी घटना वाले दिन उन्होंने तत्कालीन आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष से बातचीत की थी। सीबीआई और ईडी की नजर इस बात पर है कि क्या यह बातचीत महज संयोग थी या इसमें कोई बड़ी साजिश छिपी है। रॉय के घर पर सीबीआई और ईडी की टीमें पहले भी पहुंची थीं। उस समय आरोप था कि उन्होंने अस्पताल के उपकरणों को अपने नर्सिंग होम में शिफ्ट कराया और मशीनों की स्वैपिंग की। रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली समेत कई अधिकारियों ने विजिलेंस कमीशन और ईडी में शिकायत दर्ज कराई थी कि रॉय ने संदीप घोष के साथ मिलकर एक भ्रष्टाचार का जाल बुना था। रॉय पर केवल वित्तीय गड़बड़ी ही नहीं बल्कि कई अन्य गंभीर आरोप भी लगे हैं। उन पर आरोप है कि रोगी कल्याण समिति के चेयरमैन रहते हुए उन्होंने अस्पताल परिसर में अवैध स्टॉल खुलवाए।

सुप्रीम कोर्ट ने कभी नहीं कहा कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड मान्य होगा : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने उन दावों को खारिज कर दिया है जिसमें कहा जा रहा था कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड को मान्यता दी गई है। भाजपा आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने सुप्रीम कोर्ट के 22 अगस्त के आदेश के बाद फैली कई गलत व्याख्याओं पर स्पष्टता दी है, खासकर आधार से संबंधित त्रुटिपूर्ण दावे के संदर्भ में। मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी ये नहीं कहा, न ही इशारा किया कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड को मान्य दस्तावेज के रूप में माना जाए। उन्होंने कहा, बार-बार न्यायालय की पॉइंट 9 को पढ़ें, कहीं ऐसा मार्गदर्शन नहीं है। असल में, यह वही सुप्रीम कोर्ट की बेंच थी, जिसने 12 अगस्त को स्पष्ट किया था कि आधार नागरिकता साबित करने वाला वैध दस्तावेज नहीं है। अमित मालवीय ने चेतावनी दी है कि सुप्रीम कोर्ट को बिना बताए कुछ कहना अदालत का अपमान हो सकता है। उन्होंने मीडिया, राजनीतिक दलों और एक्टिविस्ट्स से अपील की कि वे कोर्ट के शब्दों का गलत प्रचार न करें। मालवीय ने कहा कि कोर्ट ने बताया कि 84,305 नामों के विरुद्ध आपत्तियां सीधे मतदाताओं से मिलीं। वहीं 2,63,257 नए मतदाताओं ने अपनी नामांकन फॉर्म जमा किए। अगर कोई राजनीतिक दल पंजीकृत मतदाता सूची में गलत नाम या छूटे नाम देखता है, तो उसे संबंधित ईआरओ को समय सीमा में लिखित रूप में जानकारी देनी होगी। मालवीय ने एक्स पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रीय मतदाता पंजीकरण अधिनियम, 1950 की धारा 16 बताती है कि कोई व्यक्ति वोटर सूची में तभी शामिल हो सकता है, जब वह भारतीय नागरिक हो, मानसिक रूप से स्वस्थ हो, और किसी चुनाव या

भ्रष्टाचार अपराध के तहत अयोग्य घोषित न हो। अमित मालवीय ने आधार अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि आधार अधिनियम सिर्फ पहचान और निवास प्रमाण के लिए है, नागरिकता या निवास की पुष्टि का प्रमाण नहीं है। इसका मतलब है कि यदि आधार को ही वोटर सूची में शामिल होने के लिए पर्याप्त माना जाए, तो धारा 16 और आधार अधिनियम दोनों ही निरर्थक हो जाएंगे। मालवीय ने पॉइंट 7 का हवाला देते हुए कहा कि 1,60,813 बीएलए नियुक्त किए गए, पर सिर्फ 2 आपत्तियां मिलीं। कुछ दलों ने अदालत में कहा कि उनके बीएलए को आपत्तियां दर्ज करने की अनुमति तक नहीं दी जा रही। सुप्रीम कोर्ट ने इस निष्क्रियता पर आश्चर्य जताया। मालवीय ने एक्स पोस्ट में बिहार में हो रहे मतदाता पुनरीक्षण के तथ्यों के बारे में कुछ इस प्रकार से लिखा। 65 लाख नाम हटा दिए गए, जिनमें मृत, फर्जी, बांग्लादेशी और रोहिंग्या नाम शामिल हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सूची प्रकाशित की जाए, ताकि वास्तविक मतदाता शिकायत कर शामिल हो सकें। 22 दिनों में सिर्फ 84,305 आपत्तियां आईं, जो कुल 65 लाख का केवल 1।3 प्रतिशत है। यह वोट चोरी का दावा असंभव बनाता है।

देश हित में मिलकर करेंगे काम

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं लघु उद्योग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

लोन चुकता होते ही बंधक संपत्ति मॉर्टगेज या डबल मॉर्टगेज से हो जाएगी मुक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों के हित में ही राष्ट्र का हित निहित है। लघु और कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। सीमित संसाधनों का समुचित उपयोग कर हम इन उद्योगों के विकास की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के अमृत काल में लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यालय का लोकार्पण हमारे उत्कर्ष को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

हम एमएसएमई उद्योगों की स्थापना से जुड़ी सभी प्रकार की अनुमतियां को समयबद्ध कार्य योजना की अनुरूप समय-सीमा में देने का प्रावधान करने जा रहे हैं। प्रदेश में रोजगार आधारित उद्योग लगाने वाले उद्योगपतियों को प्रोत्साहन दे रहे हैं। प्रदेश में नया आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने के लिए भी नीति से प्रावधान अनुसार सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश में रिसर्च वर्क को बढ़ावा देने के लिए आगे आ रहे हैं। आईआईटी इंदौर में शोध कार्यों के लिए देशी और विदेशी शिक्षण संस्थानों के स्टडी सेंटर के लिए हमारी चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लघु उद्योगों के साथ हमेशा साथ खड़ी है।

डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा

लघु उद्योग की की सुरक्षा जरूरी है। यह लोगों को रोजगार देते हैं। यह घरों को आबाद बनाए रखते हैं। इनसे समाज के कमजोर वर्ग के लोग रोजगार पाते हैं। यह लघु उद्योग ही देश को चलाते हैं। इस मायने में लघु उद्योग हमारे देश की सामाजिक संरचना के संरक्षक भी हैं। बड़े उद्योगों के सामने बने रहना इनके लिए एक बड़ी चुनौती होती जा रही है। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि लघु उद्योग सिर्फ भारत देश में नहीं, पूरे विश्व में संकट में हैं। परंतु भारत में फिर भी ये उद्योग जीवित हैं और आगे भी रहेंगे, क्योंकि हम भारतीय अपनी परंपराओं, अपने मूल्यों और अपने लोगों से अंतर्मन से जुड़े हुए हैं। हमें एक बार फिर स्वदेशी भाव से जोड़ना होगा।

गगनयान मिशन की तैयारी: इसरो-ड्रडो और सेना के साझा ऑपरेशन को मिली बड़ी उपलब्धि

क्रू मॉड्यूल का एयर ड्रॉप टेस्ट रहा सफल

नई दिल्ली। भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन की दिशा में एक और बड़ी सफलता मिली है। रविवार को इसरो ने श्रीहरिकोटा में पहला एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी-01) सफलतापूर्वक पूरा किया। इस परीक्षण के तहत भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर ने 4 किलोमीटर की ऊंचाई से क्रू मॉड्यूल को पैराशूट की मदद से समुद्र में उतारा। इस मिशन का उद्देश्य गगनयान से लौटते समय उपयोग होने वाले पैराशूट सिस्टम की विश्वसनीयता और मजबूती की जांच करना था। वैज्ञानिक यह देखना चाहते थे कि मॉड्यूल के साथ जुड़े पैराशूट समय पर खुलें और सुरक्षित

लैंडिंग सुनिश्चित कर सकें। यह एक ज्वाइंट ऑपरेशन था, जिसमें सभी सेनाओं की भागीदारी रही है। यह परीक्षण भारतीय वैज्ञानिक और सुरक्षाबलों की संयुक्त क्षमता का प्रमाण रहा। ऑपरेशन में इसरो, भारतीय वायुसेना, डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड ने मिलकर काम किया।

गगनयान क्यों है खास ?

गगनयान मिशन भारत को स्पेस में इंसान भेजने वाला चौथा देश बनाएगा। (अब तक केवल रूस, अमेरिका और चीन ही यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं।) मिशन की सफलता भारत को खुद का स्पेस स्टेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ाएगी। यह प्रोजेक्ट भारत की स्पेस इंडस्ट्री में वैश्विक साख को मजबूत करेगा। विदेशी सहयोग और निवेश में वृद्धि होगी, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को सीधा फायदा पहुंचेगा। विशेषज्ञों की मानें तो 2035 तक स्पेस इकोनॉमी 1.8 ट्रिलियन डॉलर (154 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच जाएगी। गगनयान जैसे मिशन भारत को इस तेजी से बढ़ते सेक्टर में मजबूती से खड़ा करेंगे। वहीं इसरो के वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले महीनों में और भी परीक्षण किए जाएंगे, जिनमें क्रू एस्केप सिस्टम, हीट शील्ड टेस्ट और अनमैन्ड प्री-कर्सर मिशन शामिल होंगे। इसके बाद 2026 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री गगनयान में सवार होकर पृथ्वी की कक्षा में जाएंगे।

मेरे समुदाय के लोग भी मेरे फैसले की कर रहे आलोचना: सीजेआई गवई

अनुसूचित जातियों के आरक्षण को लेकर दिया था ऐतिहासिक फैसला

पणजी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि उन्हें अनुसूचित जातियों के आरक्षण में उपवर्गीकरण पर दिए गए अपने फैसले को लेकर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है। यहां तक कि उनकी ही जाति के लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए हैं। गोवा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए सीजेआई गवई ने कहा कि मेरे समुदाय के लोगों ने भी इस फैसले की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन मैं मानता हूं कि मुझे अपने फैसले जनता की अपेक्षाओं के मुताबिक नहीं, बल्कि कानून की

समझ और अपनी अंतरात्मा से लिखने होते हैं। बता दें अगस्त 2024 में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संवैधानिक पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया था कि अनुसूचित जातियां सामाजिक रूप से एक समान वर्ग नहीं हैं और राज्यों को उनमें उपवर्गीकरण करने का अधिकार है, ताकि सबसे वंचित तबकों को आरक्षण का लाभ मिल सके। गवई ने कहा कि आरक्षण से क्रीमी लेयर को बाहर करने की उनकी राय पर भी सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि क्या मुंबई या दिल्ली के बेहतरीन स्कूलों में पढ़ने वाले किसी आईएएस अधिकारी के बेटे-बेटी की तुलना उस मजदूर या किसान के बच्चे से की जा सकती है जो गांव की जिला परिषद् या ग्राम पंचायत स्कूल में पढ़ रहा है? उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 14 सभी के बीच समानता नहीं, बल्कि असमानों के बीच असमान व्यवहार कर उन्हें समान बनाना सुनिश्चित करता है।

निक्की के हत्यारे पति का पुलिस ने किया एनकाउंटर, भागने की कर रहा था कोशिश

सिरसा। अपनी पत्नी निक्की को दहेज की लालच में जलाकर मारने के वाले लालची पति विपिन भाटी की रविवार को नोएडा पुलिस हिरासत से समय समय पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। यह घटना ग्रेटर नोएडा के सिरसा चौराहे के पास हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विपिन पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान पुलिस ने गोली चलाई, जिससे विपिन के पैर में गोली लगी और उसे दबोच लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक विपिन को कासना पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए ले जाया गया था। इस दौरान उसने हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसे रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई की और सिरसा चौराहे तक पीछा किया। विपिन

को रोकने के लिए पुलिस को गोली चलानी पड़ी। यह गोली विपिन के पैर में लगी, जिसके बाद उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा। बता दें विपिन भाटी को अपनी पत्नी निक्की की हत्या के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। निक्की के परिजनों का आरोप है कि निक्की के ससुराल वाले 35 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। शादी में स्कॉर्पियो और काफी सामान देने के बाद भी उन लोगों का लालच खत्म नहीं हुआ। मृतका निक्की की बहन कंचन ने बहन की मौत से जुड़ी बात बताई। उसके मुताबिक 21 अगस्त को निक्की के पति विपिन और उसके परिवारवालों ने निक्की को बुरी तरह पिटा। इसके बाद निक्की को ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग ला दी। पड़ोसियों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, फिर वहां से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया लेकिन, रास्ते में ही निक्की ने दम तोड़ दिया। इस पूरे मामले में दिल दहला देने वाला पहलू तब सामने आया जब निक्की के छोटे बेटे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें वह कह रहा है कि पापा ने मम्मी को लाइटर से जलाकर मारा। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों में इसको लेकर भारी आक्रोश है।

एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला परीक्षण सफल

ड्रोन अटैक में बनेगा रक्षा कवच

चांदीपुर। भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के तट पर इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला परीक्षण किया। यह एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल किए गए हैं। यह परीक्षण शनिवार को किया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस

कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा। आईएडीडब्ल्यूएस सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच का काम करेगा। पीएम मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी।

केंद्र सरकार 8वें वेतन आयोग के टीओआर इस माह कर सकती है जारी

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन में बंपर बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) इस महीने जारी किए जा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारकों की सैलरी और पेंशन संरचना में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। यही वजह है कि 8वें वेतन आयोग की चर्चा इन दिनों तेज हो गई है और सभी की निगाहें सरकार के अगले कदम पर टिकी हुई हैं। नेशनल ज्वाइंट काउंसिल कंसल्टेटिव मशीनरी (एनसी-जेसीएम) के कर्मचारी पक्ष के सचिव ने बताया कि हमें

उम्मीद है कि सरकार जल्द ही टीओआर को मंजूरी दे देगी, लेकिन अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। बता दें एनसी-जेसीएम, नौकरशाहों और कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों से बनी एक संस्था, केंद्र सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाने के लिए एक अहम मंच के रूप में काम करती है।

उड्डयन प्रणाली में बदलाव, डीजीसीए ने किया स्वदेशी उड़ान योग्यता नियम लागू

अब भारत के रुल से उड़ सकेंगे एयरटैक्सी, न्यूनतम 300 घंटे किए फिक्स

नई दिल्ली। भारत की नागरिक उड्डयन प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने स्वदेशी उड़ान योग्यता नियम लागू किए हैं। अब भारत में हवाई यात्रियों की सुरक्षा यूरोप या अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित नहीं है, बल्कि भारतीय परिस्थितियों, तकनीकी जरूरतों के हिसाब से तय की गई है। इस बदलाव से भारत एक नियम निमार्ता राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। स्वदेशी उड़ान योग्यता नियम के मुताबिक अब तक हमें विमान और उसके पुर्जों के डिजाइन के लिए यूरोपियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए) या जॉइंट एविएशन रिक्वायरमेंट (जेएआर-21) से मंजूरी लेनी होती थी, लेकिन अब इंजन और पुर्जों के मानक भारत ही तय करेगा। देश में इनके निर्माण के लिए फैक्ट्रियां भी लगेंगी। किसी भी नए इंजन या प्रोपेलर को सर्टिफिकेशन से पहले 300 घंटे की फ्लाई टेस्टिंग से गुजरना होगा। पहले ईएएसए और जेएआर-21 फ्रेमवर्क में टेस्टिंग के घंटे विमान के प्रकार, कॉन्फिगरेशन और रिस्क कैटेगरी के मुताबिक बदल सकते थे, लेकिन अब इसे न्यूनतम 300 घंटे फिक्स कर दिया है। किसी भी विमान या उसके हिस्से

में खराबी या असुरक्षित स्थिति मिलने पर कंपनी को 72 घंटे के अंदर डीजीसीए को रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। किसी भी विमान कंपनी का डीजीसीए का दिया टाइप सर्टिफिकेट तब तक जारी रहेगा, जब तक वह भारतीय नियमों का पालन करेगी। भारतीय नियमों के मुताबिक हर नए विमान का प्रोटोटाइप बनाना होगा। नया विमान, इंजन या प्रोपेलर होने पर कंपनी को डीजीसीए को एक सर्टिफिकेशन प्रोग्राम देना होगा। परीक्षण उड़ानें, फैक्ट्री से ग्राहक तक डिलीवरी, निर्यात, एयर शो या मरम्मत कार्य के लिए ही विशेष उड़ान की अनुमति होगी। पहले यह स्पष्ट नहीं थी। इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी या यात्री ड्रोन के लिए अलग से नियम एईएसी 01-2024 लागू। यानी इनके टेस्टिंग के लिए भारतीय स्टार्टअप्स ईएएसए और जेएआर के मानकों पर सीधे निर्भर हुए बिना भारतीय प्रमाणन के आधार पर काम कर सकेंगे। इससे देश में तेजी से बढ़ रही एडवांस्ड एयर मोबिलिटी की अवधारणा को बल मिलेगा यानी आने वाले सालों में दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े मेट्रो शहरों में ट्रैफिक जाम से बचने के लिए एयर टैक्सी की शुरूआत आसानी से हो सकेगी। यदि किसी ड्रोन, विमान का डिजाइन नया या अनोखा है तो डीजीसीए अतिरिक्त शर्तें लगा सकता है। भारत में विमान और उनके पार्ट्स बनाने या इस्तेमाल करने से पहले विदेशी मंजूरी लेनी पड़ती थी। ये मंजूरी यूरोपियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए) या जॉइंट एविएशन रिक्वायरमेंट्स (जेएआर-21) जैसी विदेशी एजेंसियां देती थीं यानी विमान और उसके इंजन-पार्ट्स का डिजाइन, क्वालिटी और सुरक्षा का पैमाना यूरोप और अंतरराष्ट्रीय नियमों पर आधारित था। भारत को अपने हालात या तकनीकी जरूरतों के हिसाब से बदलाव की पूरी छूट नहीं थी।

बिहार में पांच दशक से रह रहीं पाकिस्तानी महिलाएं

आधार बनाकर डाल रही वोट

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) घुसपैठ व सिस्टम की गड़बड़ियों को उजागर करने का बड़ा जरिया साबित हो रहा है। भागलपुर में दो पाकिस्तानी महिलाएं पांच दशक से यहां रह रहीं हैं। मतदाता सूची में उन्होंने अपना नाम भी जुड़वा रखा है। हर चुनाव में वोट भी डालती हैं। एक महिला इमराना खानम तो सरकारी स्कूल में शिक्षिका है, लेकिन भेद खुलने के बाद से वह लापता है। पुलिस ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। बता दें एक दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआइआर मामले की सुनवाई के दौरान मतदाता सूची में नाम शामिल कराने आधार को मान्य बताया है। वीजा लेकर पाकिस्तान से 1958 में भारत आई इमराना खानम ने भागलपुर के मुहम्मद इबनुल हसन से निकाह किया था। इसके बाद उसने आधार कार्ड बनवाया। मतदाता सूची में नाम जुड़वा और वोट भी डाला। खुद को भारतीय नागरिक बताते हुए वह उर्दू मध्य विद्यालय, भागलपुर में शिक्षिका बन गई। प्रशासन ने मतदाता सूची से नाम हटाने की कवायद शुरू कर दी है। इसी तरह अन्य पाकिस्तानी महिला फिरदौसिया खानम का नाम हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। एसआइआर में दस्तावेज की जांच शुरू हुई तो मामला पकड़ में आया। बंगाल में गिरफ्तार पाकिस्तानी महिला ने भी आधार बना रखा था। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद घुसैपठियों की तलाश शुरू हुई तो पुलिस ने तीन मई को बंगाल के हुगली महिला फातिमा बीबी को गिरफ्तार किया था।

चेतना का शुद्ध होना अत्यंत आवश्यक

ब्रह्मचारी गिरीश जी महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी का दो दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ भारत को आदर्श भारत कैसे बनाएं विषय पर दिनांक 24 अगस्त को आयोजित परिचर्चा से हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित करके शुभारंभ करते हुए वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के आदर्श भारत एवं अजेय भारत को अब सरकारों ने अपना लिया है। आदर्श भारत अभियान में 10 वर्षों के दौरान लाखों भारतीय नागरिक जुड़े हैं जिनको आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है। ज्ञान का गहराई में समावेश हो यही आदर्श भारत की पृष्ठभूमि है। महर्षि जी ने वर्ष 1982 में आदर्श भारत अभियान को शुरू किया था जिसमें सामाजिक विज्ञान से लेकर कृषि एवं लोक प्रशासन सहित समस्त क्षेत्रों को समाहित किया गया था। ब्रह्मचारी गिरीश जी ने आगे कहा कि राम राज्य की अवधारणा की प्रत्येक विषय वस्तु आदर्श भारत में समाहित है। महर्षि जी का कहना था कि केवल राष्ट्रीय कानून नहीं बल्कि प्राकृतिक नियमों का पालन हम सभी के लिए आवश्यक है इसलिए आदर्श भारत अभियान में प्राकृतिक न्याय को प्रमुखता के साथ शामिल किया गया है। अपनी बात आगे रखते हुए ब्रह्मचारी जी गिरीश जी का कहना था कि वेद को सृष्टि का संविधान कहा गया है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार इसका आधार है। इसमें समस्त वैदिक क्षेत्र अर्थात धर्म, संस्कृति, शिक्षा, प्रबंधन और प्रशासन जैसे सभी विषय शामिल है। महर्षि जी की इन्हीं संकल्पना को लेकर हम सभी को आदर्श भारत अभियान को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद महाराज ने कहा कि कल वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी का जन्मदिन है इसलिए आज अग्रिम शुभकामनाएं आदर्श भारत के शुभारंभ पर। महाराज जी का कहना था कि भारत वर्षों से एक राष्ट्र रहा है और हमारे वेदों में नैतिकता अत्यधिक कठोर है। हमारा धर्म,अधर्म एवं अशांति को मान्यता नहीं देता। यहां पर नदी के दो किनारे हैं एक समस्या है दूसरी ओर समाधान है और बीच में संत है। गांधी जी ने कहा था की राजनीति सेवा का माध्यम है किंतु नेता शासन करने आते हैं और उसको प्रशासन का नाम दे दिया जाता है। स्वामी जी का कहना था कि वेद विज्ञान के क्षेत्र में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के दो आधार हैं पहला धर्म और दूसरे का आधार ड्रग्स इसलिए हमें धर्म का मार्ग चुनना है और हम सभी को आदर्श भारत की ओर बढ़ता है। इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रिंतकर दिवाकर जी का कहना था कि महर्षि जी एक छोटे से गांव में जन्म लेकर पूरी दुनिया में भारत के वैदिक ज्ञान की धर्म ध्वजा फहरा दी इसी तरह हमें सबसे पहले अपने वार्ड, अपने गांव एवं अपने शहर को आदर्श भारत बनाना होगा। यदि इंदौर के लोग स्वच्छता में परचम लहरा सकते हैं तो भोपाल वासी क्यों नहीं। इसके लिए हमें योग एवं कर्तव्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करना होगा जिससे आदर्श भारत धरातल पर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर पंजाब हुआ हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि शंकर झा ने कहा कि महर्षि जी ने अच्छे भाव से आदर्श भारत की बात रखी थी जिसकी सोच पर आज पूरी दुनिया में कार्य हो रहा है। महर्षि संस्थान पहले से ही वैदिक शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में कार्य कर रहा है इसलिए आदर्श भारत का रोड मैप क्या होगा हमसे अच्छी तरह से महर्षि संस्थान का प्रबंध यह बता सकता है हम तो केवल साथ में चलने के लिए तैयार हैं। लेकिन एक बात महत्वपूर्ण है कि इसमें हमें महत्वपूर्ण मूलभूत अधिकारों के साथ-साथ मूलभूत कर्तव्यों को भी अपनाना होगा यह मैं अवश्य क उपाध्याय का कहना था कि मानव निर्मित समस्याएं लाइलाज नहीं है उनका समाधान केवल पांच वर्षों में किया जा सकता है। संविधान दो शब्दों से मिलकर बना है जिसमें स और विधान अर्थात सभी के लिए विधान है। अंग्रेजी में अंकल शब्द में चार रिश्तों को एक साथ समाहित कर लिया जाता है किंतु हम हिंदी में इन सभी के पृथक-पृथक उच्चारण और शब्द होते हैं। इसलिए हम सभी को आदर्श भारत की ओर पूरे मनोयोग के साथ आगे बढ़ना है और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ना है। इसके पश्चात विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता एवं केंद्रीय मंत्री अशोक तिवारी, मध्य प्रदेश राज्य डेंटल परिषद के अध्यक्ष डॉ चंद्रेश शुक्ला माइंड लॉजिक ग्रुप ऑफ कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेश अलगोवन, वरिष्ठ रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अजात शत्रु श्रीवास्तव एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष कुमार, राष्ट्रीय गौ वंश आयोग के पूर्व सदस्य सुनील मानसिंह सहित ओजस फाउंडेशन के अध्यक्ष वैद्य मधुसूदन देशपांडे ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। आज कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम महर्षि संस्थान की परंपरा अनुसार गुरु पूजन से प्रारंभ हुआ इसके पश्चात समस्त अतिथियों को शाल, श्रीफल, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात परिचर्चा प्रारंभ हुई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम भोपाल के छान वार्ड स्थिति गुरुदेव ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम के ₹महर्षि उत्सव भवन₹ में संपन्न हो रहा है। इस संपूर्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम का लाइव प्रसारण रामराज टीवी के वेबसाइट ,यूट्यूब एवं फेसबुक चैनलों पर भी किया जा रहा है।

पुलिस ने मोबाइल व नगदी छीनने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, डेढ़ लाख का माल बरामद

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। शहर के मछली पुल इलाके में राहगीरों से पैसे और मोबाइल छीनने की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी का सारा सामान, जिसमें दो मोबाइल फोन और नगदी बरामद किया है। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है। बरामद किए गए सामान की कुल कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये है। पुलिस के अनुसार घटना 21 अगस्त को हुई थी। फरियादी शिवराज निवासी नई मोहल्ला गंज सीहोर ने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त के साथ मछली पुल पर थाए तभी एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात लोगों ने उनसे पैसे और मोबाइल छीन लिए। शिवराज की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। **गठित की टीम-** मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और नगर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिनंदन शर्मा के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से संदिग्धों की पहचान की। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी तरुण मेवाड़ा उम्र 19, निवासी चाणक्यपुरी और हरिनारायण भार्गव उम्र 32, निवासी शुगर फैक्ट्री के सामने सीहोर को गिरफ्तार किया। यह भी सामने आया है कि आरोपी हरिनारायण पहले भी हत्या जैसे गंभीर अपराधों में जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन, नगदी जब्त किए हैं।

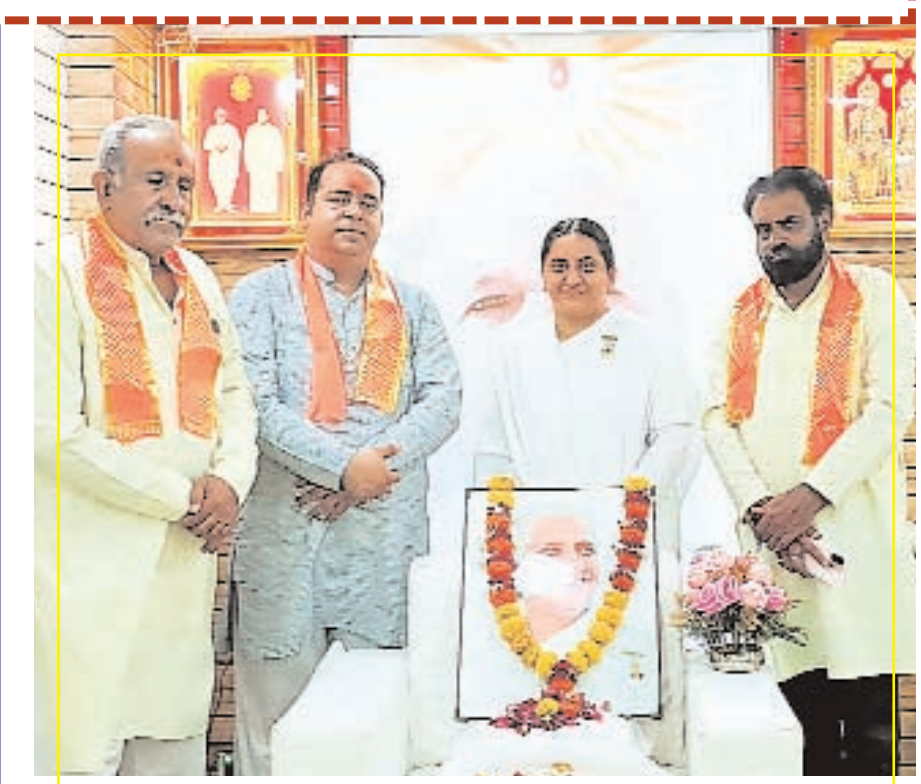

दैनिक भेल पॉवर

ब्रह्माकुमारी सीआरपी केंद्र द्वारा लगाए गए रक्तदान शिविर में हीरो फैंस क्लब के अध्यक्ष हीरो हिंदू जी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे और अपनी शुभकामनाएं दी।

माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान अंतर्गत गणेश प्रतिमाओं के निर्माण का किया प्रशिक्षण प्रदान

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल द्वारा भोपाल नगर के सरस्वती विद्या मंदिर शारदा विहार, शासकीय नवीन उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय नरेला शंकरी, ज्ञानदीप शिक्षा एवं चिकित्सा समिति मनीषा मार्केट, जन माध्यम संस्था भवानी कैंपस नरेला तथा झूलेलाल मंदिर संत हिरदाराम नगर, बैरसिया विकासखंड में शासकीय माध्यमिक शाला कलारा, शासकीय माध्यमिक शाला सोनकच्छ, मांटेसरी पब्लिक स्कूल, शासकीय माध्यमिक शाला सुनगा, रैंकर्स पब्लिक स्कूल बैरसिया में मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं के निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।प्रशिक्षण में सम्मिलित प्रतिभागियों को मूर्ति बनाने के साथ-साथ विसर्जन के नियमों से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन समितियों के सदस्यों, नवांकुर संस्था, परामर्शदाता एवं सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी, शैक्षणिक संस्था एवं सामाजिक संगठनों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर नंदवाना मैं होने जा रही श्रीमद् भागवत कथा

दैनिक भेल पॉवर

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर नंदवाना मैं होने जा रही श्रीमद् भागवत कथा के लिए कथा व्यास श्री अभिषेक जी शास्त्री के लिए वरन किया गया , कथा का आयोजन राधा अष्टमी से प्रारंभ होकर अनंत चतुर्दशी तक चलेगा , मंगल कलश यात्रा राधा अष्टमी को दोपहर 12:00 बजे बटेश्वर धाम से निकलेगी , व्यास पूजन के लिए , श्री सतीश जी व्यास, कमल शिलाकरी जी, आरपी गोयल जी, संतोष नामदेव जी, डॉ गोपाल सहाय जी , के एन कन कने जी, आशीष मंगल जी, वृंदावन पाठक जी, सोहित शर्मा, सुरेंद्र कुशवाहा जी, मनमोहन मुखिया जी, प्रहलाद विश्वकर्मा जी आदि उपस्थित रहे, आयोजन समिति ने सभी शहर के भगवत भक्त वैष्णव जनों से निवेदन किया है कि आप सभी इस कथा में उपस्थित हो धर्म का लाभ लें।

भोजपाल गरबा महोत्सव दूसरा साल, जम्बूरी मैदान पर सात दिनों तक होगी आराधना

भगवान गणेश की वंदन और पूजन के साथ शुरू हुआ गरबा प्रशिक्षण, पहले ही दिन सैकड़ों प्रतिभागी हुए शामिल

- गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

भोपाल। राजधानी के जम्बूरी मैदान भेल में आयोजित होने वाले भोजपाल गरबा महोत्सव के लिए प्रतिभागियों का प्रशिक्षण शुरू हो गया। रविवार को भगवान गणेश की वंदना और पूजा-अर्चना के साथ प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों के साथ ही आयोजन समिति के लोग मौजूद रहे। श्री कृष्ण मंदिर विजय मार्केट बरखेड़ा भेल में शाम 7 बजे और गुजराती भवन आनंद विहार स्कूल के सामने, 74 बंगला में रात 8 बजे प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। दोनों सेंटरों पर गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को अत्याधुनि गरबा स्टेप का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास विरानी, महामन्त्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, महेंद्र नामदेव, सुनील शाह, मंत्री विनय सिंह, केश कुमार शाह, देवेंद्र चौकसे सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। भोजपाल गरबा महोत्सव के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि बीते साल हुए सांस्कृतिक गरबा महोत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। शहरवासियों की मांग पर इस बार सात दिनों तक आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए पहले से ही प्रतिभागियों ने अपना स्थान बुक कर लिया है। प्रशिक्षण के पहले दिन ही दोनों सेंटरों पर सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए और सुर ताल के साथ प्रशिक्षण लिया। अध्यक्ष ने बताया कि गुजरात के विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा प्रतिभागियों को गुजराती भवन आनंद विहार स्कूल के सामने, 74 बंगला टीटी नगर और श्री कृष्ण मंदिर विजय मार्केट बरखेड़ा भेल में अलग-अलग बैचों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सात दिनों तक होगी आराधना, 24 अगस्त से प्रशिक्षणमाता रानी की आराधना के लिए सात दिनों तक गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। 23 से 29 सितम्बर तक आयोजित होने वाले गरबा महोत्सव के लिए रविवार से प्रशिक्षण शुरू हो गया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए गुजरात से विशेष प्रशिक्षित टीम को बुलाया गया है। इनाम में मिलेगी, स्कूटी, सोना-चांदी गरबा महोत्सव में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को सोने- चांदी के जेवरात सहित अन्य पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रशिक्षण लेकर गरबा करने वाले प्रथम आने वाले प्रतिभागी को एक्टिवा, इलेक्ट्रिक स्कूटी इनाम में दिया जाएगा। विशेष ईनाम में ज्वेलरी, टीवी, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स सहित प्रतिदिन अन्य ईनाम दिया जाएगा। 1 लाख किलो वॉट के साउंड सिस्टम और म्यूजिकल बैंड पर प्रस्तुति दी जाएगी।

सहारा इंडिया के रीजनल मैनेजर शिवाजी सिंह को सीहोर पुलिस ने भोपाल से किया गिरफ्तार

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। सहारा इंडिया कंपनी में निवेशकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए कोतवाली पुलिस ने कंपनी के मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ के रीजनल मैनेजर शिवाजी सिंह को भोपाल से गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी 4 जनवरी 2023 को राजाराम राठौर नामक एक निवेशक की शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायतकर्ता राजाराम राठौर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सहारा इंडिया कंपनी की सीहोर शाखा (सम्राट कॉम्प्लेक्स) में उनके निवेश की राशि उन्हें वापस नहीं की गई। इस शिकायत की जांच के बाद कोतवाली पुलिस ने सहारा इंडिया के मैनेजर एसके मगार्डे, कैशियर योगेंद्र चौधरी, रीजनल मैनेजर जयप्रकाश श्रीवास्तव और जोनल मैनेजर शिवाजी सिंह के खिलाफ अपराध क्रमांक 05ध्2023 के तहत धारा 420, 409, 34 दर्ज किया था।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रविंद्र यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने आरोपियों की तलाश में कई जगहों पर दबिश दी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि आरोपी शिवाजी सिंह भोपाल में है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शिवाजी सिंह को एमपी नगर भोपाल से गिरफ्तार कर लिया।

यूपी निवासी है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी शिवाजी सिंह जो मूल रूप से गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है और वर्तमान में भोपाल की अवधपुरी कॉलोनी में रह रहा था को कोर्ट में पेश किया गया है। पुलिस उसे रिमांड पर लेकर मामले में आगे की पूछताछ करेगी और अन्य आरोपियों की तलाश भी जारी है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक रविंद्र यादव, उनि विक्रम आदर्श, प्रधान आरक्षक मोती स्वामी, कपिल कुशवाहा, आरक्षक सूरज, कपिल, अरबेंद्र सिंह, हमीर सिंह और महिला आरक्षक उपासना थापा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संगठित होकर कार्य करने से बनता है इतिहास : मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में कीर समाज के महासम्मेलन को वर्चुअली संबोधित किया

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महासम्मेलन में उपस्थित अनेक बहनों से संवाद भी किया और लाड़ली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध में चर्चा की।

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जो समाज संगठित होकर कार्य करता है, वह इतिहास बनाता है। कीर समाज को भगवान श्रीराम की चरण रज प्राप्त हुई और समाज बंधुओं ने भगवान श्रीराम को भवसागर पार करवाया। उस समाज ने बदले में भगवान श्रीराम से कुछ नहीं मांगा। बस जीवन की वैतरणी पार करने का आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कीर समाज की एक राज्य स्तरीय पंचायत शीघ्र ही राजधानी में आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास से उज्जैन में हुए कीर समाज के महासम्मेलन को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कीर समाज ने भगवान श्रीराम को मनुष्य के बजाय भगवान के रूप में पहचाना था। आज समाज प्रगति के मार्ग पर है। शिक्षा के प्रसार और नशा मुक्ति जैसे रचनात्मक कार्यों से समाज जुड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे जीवन में मुख्यमंत्री के रूप में प्राप्त सेवा के इस अवसर का श्रेय कीर समाज सहित ऐसे सभी समाज बंधुओं के आशीर्वाद को देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार अधोसंरचना विकास और शिक्षा के प्रोत्साहन के कार्य कर रही है। जहां मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी और लैपटॉप उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, वहीं छात्रवृत्ति पाठ्यपुस्तकें और यूनिफॉर्म मिलने से शिक्षा अर्जन आसान बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महासम्मेलन में उपस्थित अनेक बहनों से संवाद भी किया और लाड़ली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कीर समाज को संस्कृति के पर्व मिलकर मनाने, प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, सामाजिक मेलजोल और आध्यात्मिक चेतना के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने के प्रयासों और महासम्मेलन के आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रारंभ में कीर समाज के महासम्मेलन में प्रदेश कार्यकारिणी के शपथ समारोह और विचार विमर्श के सत्र हुए। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। महासम्मेलन को मां पूरी बाई कीर कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री गया प्रसाद कीर, समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री कोमल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने संबोधित भी किया।

बच्चे देश की धरोहर, इनकी प्रतिभाओं को संवारना हम सबका दायित्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बागवानी संवर्धन और फ्लॉवर डेकोरेशन को बढ़ावा दे रही हमारी सरकार

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फूल माली समाज के राज्यस्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बच्चे देश की अमूल्य धरोहर हैं। इनमें निहित असीमित प्रतिभाओं को निखारना और आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है। बच्चों और युवाओं की प्रतिभाएं ही देश को विकास पथ पर आगे ले जाती है। उन्होंने कहा कि बच्चे खूब पढ़े-लिखें और अपना भविष्य संवारें, सरकार हर घड़ी उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रायमरी कक्षा से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हमारी सरकार छात्रवृत्ति दे रही है। सबके रोजगार की व्यवस्था भी हम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 1 लाख पदों पर भर्ती करने जा रहे हैं। अगले पांच साल में 2.50 लाख शासकीय पदों पर भर्ती करेंगे। पुलिस की भर्तियां भी जारी हैं। इस साल 7500 पदों पर भर्तियां निकाली हैं। पुलिस की भर्ती के लिए अलग से पुलिस भर्ती बोर्ड भी बनाया जा रहे हैं। अगले तीन साल में हर साल 7500 पदों पर भर्ती कर हम पुलिस विभाग के सभी रिक्त पदों की पूर्ति कर लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल स्थित हिन्दी भवन में फूल माली समाज के 16वें राज्यस्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाले फूल माली समाज के प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों को मंच से प्रशस्ति-पत्र और सम्मान निधि देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फूल-माली समाज के व्यवसाय को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार पुष्प कलाकारी (फ्लॉवर डेकोरेशन) को बढ़ावा दे रही है। अभी हाल ही में जन्माष्टमी में सरकार ने सभी श्री कृष्ण मंदिरों में पुष्प सज्जा के लिए आकर्षक पुरस्कार भी घोषित किए। उन्होंने कहा कि पुष्प और संस्कार दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जिस तरह फूल सभी को प्रिय हैं, उसी प्रकार फूल-माली समाज भी सबका प्रिय है। खेती-किसानी और बागवानी का चोली-दामन का साथ है। किसान खेत में परिश्रम करता है और फूल माली समाज बागों में। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बागवानी संवर्धन के लिए भी राज्य सरकार अनेक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फूल माली समाज ने अपने परिश्रम, लगन और कर्मठता से एक अलग पहचान बनाई है। समाज के बच्चों और युवाओं ने अपनी प्रतिभा से न केवल प्रदेश, बल्कि देश-विदेश में भी नाम रोशन किया है। ऐसे होनहारों का सम्मान करना वास्तव में हम सबके लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने बच्चों और युवाओं को कड़ी मेहनत, लगन और ईमानदारी से अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि वे बड़ा करने का सपना देखें। सपने पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार हमेशा उनके साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार समाज के बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, स्वरोजगार, व्यवसाय के साथ पुष्प श्रृंगार कला को और अधिक संवर्धन पर ध्यान दे रही है। राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास के साथ-साथ सबका विश्वास- सबका प्रयास के मूल मंत्र पर काम कर रही है। विकास की धारा से किसी भी समाज को वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फूलमाली समाज के प्रतिनिधियों द्वारा पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाज के मांग-पत्र पर उज्जैन में समाज के लिए धर्मशाला निर्माण के लिए सहायता राशि दिए जाने और समाज की राष्ट्रीय विभूतियों को भारत रत्न दिए जाने के लिए समर्थन की मांग की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में समाज की धर्मशाला के निर्माण के लिए हर संभव सहायता देने की बात कही।

स्वागत उद्बोधन में फूल माली समाज के प्रादेशिक पदाधिकारी श्री हरिनारायण माली ने बताया कि समाज का यह 16वां प्रतिभा सम्मान समारोह है। समाज की गतिविधियों के विस्तार के लिए सरकार का साथ चाहिए। समारोह में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, समाजसेवी श्री रविन्द्र यति, श्री जी.पी. माली, श्री हरिनारायण माली, श्री भगवान भाई माली, श्रीमती शांति, श्री गीता प्रसाद,श्री नरेन्द्र राहुल सहित समाज के अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाजजन एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

उज्जैन में समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए देंगे सहायता राशि

संविधान का 130 वाँ संशोधन विधेयक 2025- मंत्रियों के स्तरपर होने वाले भ्रष्टाचार पर सख़्ती

130वें संशोधन की प्रमुख विशेषताएँ:-इस संशोधन में कई व्यापक प्रावधान जोड़े गए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख हैं,(1) संवैधानिक दायित्व की स्पष्टता- अब हर मंत्री को शपथ लेते समय यह लिखित घोष ॥ करनी होगी कि वह भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता में संलिप्त नहीं होगा।

भारतीय स्वतंत्रता के बाद से अब तक देश में 129 बार संविधान संशोधन किए गए हैं और हर बार इनका उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना, जनकल्याण को सुनिश्चित करना और शासन प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना रहा है।वर्ष 2025 में पेश किया गया संविधान (130 वां संशोधन विधेयक) इसी कड़ी की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका मुख्य उद्देश्य मंत्रियों के स्तरपर होने वाले भ्रष्टाचार पर सख्ती से अंकुश लगाना है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र,ऐसा मानता हूं कि आजादी के 75 साल बाद भी यदि भ्रष्टाचार उच्च पदस्थ नेताओं और मंत्रियों तक फैला है, कि 10 पेर्सेंट 20 पेर्सेंट नामों से उनका संज्ञान लिया जाता है,जो न केवल लोकतंत्र के लिए चुनौती है बल्कि जनता के विश्वास पर भी गहरी चोट है।यही कारण है कि इस विधेयक ने राजनीतिक विमर्श में हलचल मचा दी है।भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में भ्रष्टाचार हमेशा से सबसे गंभीर समस्या रहा है।1960 और 1970 के दशक से लेकर आज तक कई बड़े घोटाले हुए,चाहे वह बोफोर्स हो,कोयला घोटाला हो, 2जी स्पेक्ट्रम,या फिर हाल के वर्षों में विभिन्न मंत्रालयों में सामने आए अनियमितताओं के मामले। अक्सर जनता यह आरोप लगाती रही है कि कानून केवल छोटे अपराधियों के लिए है, बड़े नेताओं और मंत्रियों पर कभी हाथ नहीं डाला जाता। यह धारणा लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करती है।संविधान निमार्ताओं ने अनुच्छेद 75 और 164 में मंत्रियों की जिम्मेदारी तय की थी,परंतु उनके खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी तंत्र को पर्याप्त दाँत-पंजे नहीं दिए गए।मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कभी सीबीआई,कभी लोकपाल, कभी सीवीसी का सहारा लिया गया, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रक्रिया की जटिलताओं के कारण ह्न्यायह्व

अक्सर विलंबित हुआ। इसी पृष्ठभूमि में 130 वां संशोधन लाया गया, जो पहली बार संविधान में विशेष प्रावधानों के तहत मंत्रियों के भ्रष्टाचार पर सीधी कार्रवाई की गारंटी देता है। गृह व सहकारिता मंत्री ने विधेयक पेश करने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का आग्रह किया, 21 अगस्त 2025 को संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई। साथियों बात अगर हम संविधान (130 वां संशोधन) विधेयक 2025 को समझने की करें तो,यह विधेयक 20 अगस्त 2025 को केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा संसद के मानसून सत्र में लोकसभा में पेश किया गया।सेक्शन वाइज वअन्य संलग्न जानकारीः-(अ) उद्देश्य और नैतिकता को संवारनाः -विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरती नैतिकता को सुधारना, राजनीतिक नेतृत्व में पारदर्शिता लाना, और यह सुनिश्चित करना है कि गंभीर आरोपों का सामना कर रहे मंत्री (प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, अन्य मंत्री) जेल से सरकार न चला सकें। (ब) संविधान के अनुच्छेदों में संशोधनः-यह विधेयक निम्नलिखित अनुच्छेदों में संशोधन प्रस्तावित करता है,(1) अनुच्छेद 75 (केंद्र के मंत्रिमंडल)-प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के लिए लागू।(2) अनुच्छेद 164 (राज्य के मंत्रिमंडल) -मुख्यमंत्री और राज्य मंत्रियों पर लागू। (3) अनुच्छेद 239अअ (दिल्ली विधान सभा और मंत्रिमंडल)-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए लागू।संशोधन का उद्देश्य इन पदों पर बैठे नेताओं को गहन आरोपों के बीच पद में बने रहने से रोकना है (4) मुख्य प्रावधानः-यदि कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्री लगातार 30 दिनों तक गंभीर अपराधों (5 वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में गिरफ्तार या हिरासत में रहता है, तो उसे पद से हटाया जाएगा। केंद्रीय स्तरः- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर उसे 31वें दिन पद से हटाएगा; यदि सलाह न दी जाए, तो वह स्वयं पर से अपने आप पदमुक्त हो जाएगा।राज्य स्तरः-राज्यपाल,मुख्यमंत्री की सलाह पर हटाएगा; सलाह न आने पर 31वें दिन स्वतः पद समाप्त मान लिया जाएगा।दिल्ली/केंद्रशासित प्रदेशः इसी तरह, उप-गवर्नर की ओर से हटाव का प्रावधान है। (5) पुनर्नियुक्ति की संभावनाः-यह विधेयक पुनर्नियुक्ति को निषिद्ध नहीं करता। गिरफ्तारी और हिरासत समाप्त होने के बाद पुनः नियुक्ति (फिर से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री बनना) संभव है। (6) कानूनी और संवैधानिक चिंताएँः-न्याय की अधिभारः यह प्रावधान निर्दोष मान्यीकरण के सिद्धांत (प्रेन्सुम्शन ऑफ इनोसेंस) का उल्लंघन कर सकता है क्योंकि अभियोग के दौरान ही हटाव संभव है, जबकि वर्तमान व्यवस्था में केवल दोषसिद्धि पर पदावसान होता है । राजनीतिक दुरुपयोग का खतराः विपक्ष का दावा है कि यह विधेयक केंद्रीय एजेंसियों (जैसे सीबीआई, ईडी) के जरिए राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है ।संघीय ढांचे पर असरः यह राज्यों की स्वायत्तता और केंद्र- राज्य संबंधों के संतुलन को प्रभावित कर सकता है, जिससे संघीयता कमजोर हो सकती है। (7) संसदीय प्रक्रिया और वृहद प्रतिक्रियाः-विधेयक को संसद के दो सदनों में विशेष (2/3) बहुमत द्वारा पारित होना आवश्यक है; फिलहाल एनडीए की संख्या पर्याप्त नहीं है, इसीलिए बिना विपक्ष के समर्थन के पारित होना कठिन है।

साथियों बात अगर हम,यह विधेयक लाने कीआवश्यकता और उसकी विशेषताओं की करें तो,इस संशोधन की आवश्यकता इसलिए महसूस हुई क्योंकि अब तक मंत्रियों के खिलाफ मामलों में राजनीतिक दबाव हावी रहता था। जांच एजेंसियाँ निष्पक्ष होकर काम नहीं कर पाती थीं। इसके अलावा, कई बार नैतिक जिम्मेदारी के नाम पर मंत्री इस्तीफा देते तो थे, लेकिन कानूनी प्रक्रिया से बच निकलते थे। जनता का गुस्सा और असंतोष यही दिखाता है कि केवल इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि कानूनी दंड और संवैधानिक बाध्यता भी जरूरी है। 130वें संशोधन की प्रमुख विशेषताएँ:-इस संशोधन में कई व्यापक प्रावधान जोड़े गए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख हैं,(1) संवैधानिक दायित्व की स्पष्टता- अब हर मंत्री को शपथ लेते समय यह लिखित घोषणा करनी होगी कि वह भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता में संलिप्त नहीं होगा। (2) विशेष जांच आयोग का गठन-संशोधन के तहत मंत्रियों के खिलाफ आने वाली शिकायतों की जाँच हेतु संसद द्वारा एक स्वतंत्र संवैधानिक आयोग का गठन किया जाएगा। यह आयोग न तो प्रधानमंत्री और न ही किसी मुख्यमंत्री के प्रत्यक्ष नियंत्रण में होगा। (3) सीधी जवाबदेही संसद और विधानसभाओं को-यदि किसी मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप साबित होता है, तो उसे तुरंत पद से हटाना अनिवार्य होगा। (4) लोकपाल और न्यायपालिका से समन्वय-यह संशोधन मौजूदा लोकपाल व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाता है तथा सुप्रीम कोर्ट/हाई कोर्ट की देखरेख में जांच सुनिश्चित करता है। (5)समयबद्ध कार्रवाई-आरोप लगने के 6 महीनों के भीतर जांच पूरी करना और दोषी पाए जाने पर 1 साल के भीतर दंड प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य होगा।

साथियों बातें कर हम इस विधेयकके विपक्ष और समर्थन में दी गई दलीलों की करें तो,इस विधेयक को लेकर संसद और समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ आई हैं (अ) समर्थक दलों का तर्क है कि यह संशोधन जनता का विश्वासलौटाने का काम करेगा और मंत्रियों को जवाबदेही का असली एहसास कराएगा।इससे न केवल शासन व्यवस्थापारदर्शी बनेगी बल्कि भ्रष्टाचार के मामलों में राजनीतिक संरक्षण भी खत्म होगा। (ब) विपक्षी दलों की चिंताएँ हैं कि इस संशोधन का दुरुपयोग हो सकता है। किसी भी मंत्री को झूठे आरोप लगाकर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के तहत फँसाया जा सकता है। इसके अलावा, यह भी आशंका जताई जा रही है कि जांच आयोग पर भी सत्तारूढ़ दल का अप्रत्यक्ष प्रभाव रह सकता है। आलोचनाएँ और चुनौतियाँः-(1)भले ही उद्देश्य नेक है, लेकिन इस संशोधन के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ होंगी। (2) राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की आशंका (3) जांच आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न (4) न्यायालय में लंबित रहने वाली अपीलें (5) जनता की अपेक्षाओं और व्यावहारिक परिणामों के बीच अंतर बंनक? उभरा है।

साथियों बातें अगर हम इस विधेयक के दूरगामी परिणामों की करें तो (1)भ्रष्टाचार की लागत बढ़ेगी-अब मंत्री भ्रष्टाचार करने से पहले सौ बार सोचेंगे क्योंकि परिणाम सिर्फ पद से हटना नहीं बल्कि कानूनी दंड भी होगा।(2) नौकरशाही पर भी असर- जब मंत्रियों को कठोर जवाबदेही के दायरे में लाया जाएगा,तो नौकरशाही पर भी पारदर्शिता का दबाव बढ़ेगा।(3)ऐतिहासिक घोटालों का विश्लेषण(4)विपक्ष की दलीलों का गहन मूल्यांकन (5)जनता और मीडिया की भूमिका (6) भ्रष्टाचार पर रोकथाम के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव।

अतः अगर हम अपरोध पूरी विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संविधान का 130 वां संशोधन विधेयक,2025-मंत्रियों के स्तरपर होने वाले भ्रष्टाचार पर सख़्ती से अंकुश लगाने में मील का पत्थर साबित होगा,भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई से निवेशकों का विश्वासबढ़ेगा प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भारत की छवि जवाबदेह लोकतंत्र की बनेगी संविधान का 130 वां संशोधन विधेयक, 2025- राज्य के मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक घेरे में-भारतीय राजनीति में एक नया युग आएगा।

अखण्ड सौभाग्य का पर्व : हरतालिका तीज

शिव-शक्ति को गृहस्थ जीवन का आदर्श माना गया है। शक्ति स्वरूपा माता पार्वती ने सदैव शिव के गुणों का वरण किया है। शिव जी ही माता पार्वती के पति होंगे उक्त बात नारद जी द्वारा माता पार्वती को बताई गई थी। शिवजी को वर रूप में प्राप्त करने के लिए जगत जननी माँ पार्वती ने अत्यधिक कठिन तपस्या की। सप्त ऋषि भी उनकी परीक्षा लेने आए एवं माता पार्वती को शिव शंकर की वेशभूषा तथा दैनिक दिनचर्या का वर्णन किया और उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए उकसाया, परन्तु माता पार्वती तो श्रृद्धा एवं विश्वास की प्रतिमूर्ति है। वे शिवजी के कल्याण स्वरुप को पहचानती थी। सत्यम शिवम् सुंदरम ही शिव का सत्य स्वरुप है। पार्वतीजी बाहरी आडम्बर के विरुद्ध भीतर की सच्चाई से परिचित थी।

शिव को करुणावतार कहा जाता है। शिव तो सच्चे हृदय के स्वामी है, तभी तो संसार की रक्षा के लिए विष को भी सहर्ष स्वीकार कर लेते है। भगवती तो अनंत शक्ति की प्रतिक है और माँ की कृपा तो जीवन को पूर्णता प्रदान करती है। वास्तव में इस मनुष्ययोनि में महेश और भवानी तो हमारे माता-पिता का ही स्वरूप है जो सदैव भक्तो को आशीष प्रदान करते है। उनका गृहस्थ जीवन माया से नहीं बल्कि जीवन में आनंद से सुशोभित है। शिव सदैव आनंद की अवस्था में विद्यमान रहते है। शिव परिवार तो सर्वत्र पूजा जाता है। यहाँ तक कि भोलेनाथ के पौत्र शुभ-लाभ भी पूजन के अधिकारी है। उन्हीं शिव-पार्वती का वरदान यदि गृहस्थ को मिल जाए तो जीवन में और कुछ पाना शेष नहीं रह जाता।

शिव-शक्ति की आराधना का है हरतालिका तीज का त्यौहार।

महेश-भवानी की जगत में महिमा है अपरम्पार।। शिव-शक्ति का अर्द्धनारीश्वर रूप करता समता को प्रदर्शित। उनकी कृपा से जीवन में आनंद होता दर्शित।। इस व्रत में निर्जल रहकर शिव-पार्वती की आराधना एवं पूजा की जाती है। विधि-विधान से पूजन किया जाता है। सुहागिन के साथ-साथ कन्याएँ भी इस व्रत को करती है और सुन्दर श्रृंगार से सुशोभित होती है। यह तीज-त्यौहार हमें ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करते है। हरतालिका तीज का व्रत एक बार प्रारम्भ करने के पश्चात जीवनपर्यन्त खंडित नहीं किया जा सकता है। हरतालिका तीज के विधान में वर्णित है कि माता पार्वती ने शिवजी का पार्थिव शिवलिंग बनाकर उसका पूजन-अर्चन किया तथा कठोर तपस्या की। उनकी इस तपस्या को महादेव ने स्वीकार किया और जन्म-जन्मान्तर तक शक्ति का ही अर्धांगिनी के रूप में वरण किया। शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरुप अत्यंत पूजनीय है, जिसमें शिव-शक्ति की समानता का दर्शन होता है। इस दिन शिव-पार्वती के नामों का उच्चारण एवं भजन-कीर्तन करना चाहिए। सोलह श्रृंगार का विधान इस पर्व में है। ईश्वर की भक्ति तो प्रत्येक परिस्थिति में कल्याण और कृपा का पात्र भक्त को बनाती है, बस हृदय में पवित्रता और श्रृद्धा-भक्ति होनी चाहिए। भक्ति में निर्मल भावों की प्रधानता होती है। भोलेनाथ और भवानी तो भक्तवत्सल है, जो गृहस्थ जीवन को सुखी एवं आनंदमय बनाने का आशीर्वाद प्रदान करते है।

पवित्र हृदय से करें शिव-पार्वती का ध्यान।

उनकी आराधना है जीवन के लिए वरदान।। शक्ति ने सदैव किया शिव के गुणों का वरण। डॉ. रीना कहती, हरतालिका तीज से होगा संताप का हरण।।

संपादकीय

पाकिस्तान में दामाद कुश्नर को सेट किया ट्रंप ने

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पाकिस्तान के साथ प्रेम अब खुलकर समझ में आने लगा है। उन्होंने एक तीर से दो शिकार किए हैं। पाकिस्तान आर्मी के आसिफ मुनीर को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना मोहरा बना लिया है। पाकिस्तान में अरबो रुपए का तेल भंडार है। पाकिस्तान की तीन बड़ी सरकारी कंपनियों पर पाकिस्तान की सेना का दबदबा है। मुनीर के माध्यम से अमेरिका के राष्ट्रप ?ति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जैरेंड कुशनर की कंपनी एफिनिटी पार्टनर्स जो सऊदी अरब में तेल का कारोबार करती है। मुनीर के जरिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के तेल उत्खनन और तेल कारोबार में अपने दामाद को सेट कर ?दिया है। पाकिस्तान के साथ ट्रम्प ने अमेरिका और अपने परिवार के रिश्तों को बेहतर बना लिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तेल खनन के इस काम में लगभग 3 लाख करोड रुपए पाकिस्तान सेना को जल्द ही अमे?रिका एवं अन्य माध्यम से मिलने वाले हैं। ट्रंप के दामाद की नजर पाकिस्तान के तेल और अर्थ मिनरल की ओर है। अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद सारी दुनिया के देशों में ट्रंप ने अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अपने पद और प्रभाव का उपयोग किया जा रहा है। यह बात अब खुलकर सामने आ गई है। पाकिस्तान की सत्ता हमेशा सेना के ईद-गिर्द घूमती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आसिफ मुनीर के जरिए पाकिस्तान पर एक तरह से अपना आधिपत्य जमा लिया है। सही मायने में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डोनाल्ड ट्रंप फॉलो कर रहे हैं? मोदी कार्यकाल में पिछले 11 वर्षों में जिस तरह से गौतम अडानी ने अपने कारोबार को दुनिया के कई देशों में फैलाया है। उसी को आधार बनाकर डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में अपने परिवार को सेट करने में लग गए हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार दूसरे कार्यकाल के बाद वह राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। ?जिसके कारण वह अपने दूसरे कार्यकाल में अपने प?रिवार के कारोबार को कई देशों में फैलाने का काम उनकी पहली प्राथ?मिकता है। पा?किस्तान में ?क्रिप्टो करेंसी का व्यवसाय उनकी बड़ी प्राथ?मिकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच में सीज फायर कराकर भारत के हितों पर चोट पहुंचाने का जो काम किया है। उसके कारण भारत को आर्थिक और सामरिक दोनों ही क्षेत्र में नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। जो पाकिस्तान भारत के सामने आंख भी नहीं मिला सकता था, अब वह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प की शह पर भारत को आंखें दिखाने लगा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार के जरिए परिवारबाद का यह नया खेल शुरू हुआ है। अभी तक जहां राज तंत्र स्थापित था, वहां इस तरह से व्यापारिक और सामरिक संबंध बनते हुए देखे जाते थे। अब अमेरिका जैसे देश में वहां का राष्ट्रप ?ति अपने निजी और पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए जिस तरह का ?निर्णय ले रहे हैं, उसके कारण वैश्विक समीकरण बड़ी तेजी के साथ बदल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राजदूत के रूप में सर्जियो गौर को भारत भेजा है। डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व मित्र और वर्तमान दुश्मन एलन मस्क ने उसे सांप कहा था। एक तरह से अमेरिका ने कई कहीनों के बाद भारत में राजदूत नियुक्त करके भारत में एक तरह से अपना वायसराय बैठा दिया है। अमेरिका वर्तमान में भारत और पाकिस्तान को एक ही चश्मे से देख रहा है। ब्रिटिश गवर्नमेंट के टाइम पर भारत और पाकिस्तान का एक ही वायसराय होता था। अमेरिका ने जो नियुक्ति की है। उसे वायसराय के रूप में देखा जा रहा है।

(आस्था)

तुलसी की मंजरी से करें ये उपाय, मिलेगा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद, घर में कभी नहीं होगी धन की कमी...

सनातन धर्म में तुलसी को अत्यंत पवित्र और पूजनीय माना गया है। मान्यता है कि भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय हैं और उनकी पूजा बिना तुलसी पत्र के अधूरी मानी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और नकारात्मक शक्तियां दूर रहती हैं। वहीं, नियमित रूप से इसकी पूजा करने से साधक को सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसके अलावा ज्योतिष शास्त्र में दरिद्रता दूर करने के लिए तुलसी की मंजरी से जुड़े कई उपाय बताए गए हैं। माना जाता है कि इन उपायों को करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन लाभ होता है। तो चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में धन लाभ के लिए अगर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करना चाहते हैं, तो प्रतिदिन तुलसी माता की पूजा-अर्चना करें। साथ ही, नियमित रूप से उन्हें जल अर्पित करें और उनकी परिक्रमा करें। मान्यता है कि इससे आय के नए स्रोत खुलते हैं और सौभाग्य में वृद्धि होती है। देवी और देवताओं को किसी जानवर की बलि देना सही है या गलत? प्रेमानंद महाराज ये दिया जवाब तुलसी की मंजरी से करें ये काम यदि घर में पैसों की कमी बनी रहती है तो तुलसी की मंजरी को लाल कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को अर्पित करें। इस समय मंत्र जप करें। फिर इस पोटली को घर की तिजोरी या धन रखने के स्थान पर रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से धन की रुकावट दूर होती है और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

साथ ही, इससे माता लक्ष्मी बेहद प्रसन्न भी होती हैं। तुलसी श्री र्महालक्ष्मी र्विद्याविद्या यशस्विनी। धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमनः प्रिया।। लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत। तुलसी भूर्महालक्ष्मीः पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए यदि आप भगवान विष्णु की कृपा पाना चाहते हैं तो गुरुवार के दिन जगत के पालनहार विष्णु जी को तुलसी की मंजरी अर्पित करें। मान्यता है कि इससे भगवान प्रसन्न होकर जातकों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। आर्थिक तंगी दूर करने के लिए यदि आप जीवन से दरिद्रता दूर करना चाहते हैं, तो प्रतिदिन प्रातः स्नान के बाद तुलसी की मंजरी और दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और धन से जुड़ी रुकावटें समाप्त होने लगती हैं।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः पुरानी परियोजनाओं की सफलता आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। नाती-पोतों से आज काफी खुशी मिल सकती है। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफी और कॉकलेट वगैरह दें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः बहुत ज्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। मानसिक स्पष्टता बनाए रखने के लिए शंका और झुंझलाहट से निजात पाएँ। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नजरिए से समझ-बूझकर थोड़ा खतरा उठाया जा सकता है। चूके मौकों की वजह से डरें नहीं। एक बार आप अपने हमकदम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की जरूरत नहीं होती।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। कुछ खरीदने से पहले उन चीजों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। दिन को रोमांचक बनाने के लिए करीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। आपका प्रिय आज कुछ खीझा हुआ महसूस कर सकता है, जो आपके दिमाग पर दबाव और बढ़ा देगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी।

कर्कः ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएँ। मानसिक शांति के लिए आपकी खाली बैठने की आदत खतरनाक साबित हो सकती है। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। आज आप खुद को अपने प्रिय के प्यार से सराबोर महसूस करेंगे। इस लिहाज से आज का दिन बहुत खूबसूरत रहेगा।

सिंहः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। जीवनसाथी के साथ खरीदारी मजेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इजाफा होगा। आज आपको महसूस होगा कि आपका महबूब आपसे कितना प्यार करता है। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से नहीं थकाएँ। खर्चों में इजाफा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। आपको बच्चों या खुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की जरूरत है। प्यार का बुखार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। दिवास्वप्नों में समय खपाना नुकसानदेह रहेगा।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफी वक़्त देंगे। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के जरिए फायदा होगा। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताजा करने का दिन है। शाम के लिए कोई खास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज्यादा-से-ज्यादा रुमानी हो। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफा करेगा। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः आपकी शाम कई जज्बातों से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है। लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी खुशी आपकी निराशाओं के मुकाबले आपको ज्यादा आनंद देगी। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही खुशियों की वजह भी साबित होते हैं। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा।

धनुः ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः तली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की जरूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। नौकरी में बदलाव मानसिक संतोष देगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपका जीवनसाथी आज काफी रोमानी मिजाज में है।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः तनाव के चलते बीमारी से दो-चार होना पड़ सकता है। सुकून महसूस करने के लिए दोस्तों और परिवार के साथ कुछ समय बिताएँ। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। सावधान रहें, कोई आपसे दिल्लगी या फ़्लर्ट करके अपना उल्लू सीधा कर सकता है। जब तक आपको तसल्ली न हो जाए कि सारा काम पूरा हो चुका है, दस्तावेज अपने वरिष्ठ को न दें।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाजुक रहेंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः पुरानी परियोजनाओं की सफलता आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। नाती-पोतों से आज काफी खुशी मिल सकती है। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफी और कॉकलेट वगैरह दें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है।

'अनुपमा' ने टीआरपी में मारी बाजी, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' की गिरी रेटिंग

छोटे पर्दे की दुनिया में ञ्रक्रक का सारा खेल होता है. टीवी सीरियल्स कितने लंबे समय तक चलेंगे, इसका फैसला भी ञ्रक्रक से ही होता है. हर हफ्ते टीवी शोज की व्यूअरशिप में बदलाव होते रहते हैं. जिसके चलते शो भी ऊपर-नीचे होते रहते हैं. कभी कोई शो नंबर 1 की कुर्सी पर कब्जा कर लेता है, तो कभी कोई शो नीचे गिर जाता है. हालांकि अनुपमा लंबे वक्त से नंबर 1 की कुर्सी पर अपनी पकड़ बनाए हुए है. हालांकि क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन 2 ने पहले ही हफ्ते में अनुपमा को बड़ा झटका दिया था. लेकिन नया हफ्ता आते ही बाजी फिर से पलट गई.इस हफ्ते की ञ्रक्रक की रिपोर्ट के अनुसार राजन शाही का शो अनुपमा एक बार फिर से नंबर 1 पर बना हुआ है. शो में आने वाले ट्विस्ट कहानी को मजेदार बनाते रहते हैं. ऊपर से अनुपमा और उसके परिवार का रोजाना का ड्रामा लोगों को खूब भाता है. जैसे ही शो की टीआरपी गिरने लगती है, मेकर्स फिर से कोई बड़ा ट्विस्ट या लीप उसमें शामिल कर देते है.

नंबर 1 पर 'अनुपमा' का कब्जा

अनुपमा ने इस हफ्ते टीआरपी में 2.2 की बढ़त से नंबर 1 की कुर्सी पर कब्जा किया है. दूसरे नबंर पर सालों से लोगों को एंटरटेन करता आ रहा शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा बना हुआ है. इस शो को इस हफ्ते 2.0 रेटिंग मिली है. वहीं लोग एकता कपूर के शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 की रैंक भी जानने के लिए बेकरारा हैं. बता दें, स्मृति ईरानी का ये शो 1.9 रेटिंग के साथ इस हफ्ते चौथे नंबर पर जा पहुंचा है.

चौथे नंबर पर खिसका 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2'

तीसरे नबंर का जगह स्टार प्लस के ये रिश्ता क्या कहलाता है को मिली है. इस शो को सालों से दर्शकों का प्यार मिल रहा है. इस हफ्ते शो के 1.9 रेटिंग मिली है. ये चारों शो प्राइम टाइम पर आते हैं. चारों एक-दूसरे को तगड़ी टक्कर देते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 से लोगों को काफी उम्मीदें हैं. लेकिन जिस तरह की शुरुआत शो ने की थी, अब गुजरते हफ्तों के साथ लोगों के बीच शो को लेकर क्रेज कम होता हुआ नजर आ रहा है.

वहीं 5वें नबंर का स्थान उड़ने की आशा को मिला है और तुम से तमु तक छठे नबंर पर है. 7वें नंबर पर मंगल लक्ष्मी और 8वें नंबर पर आरती अंजलि अवस्थी बना हुआ है. इन सबके बीच हैरान करने वाली बात ये है कि अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति का नया सीजन 28वें नंबर पर है. पिछले हफ्ते शुरू हुए इस शो के महज 0.8 रेटिंग मिली है।

न हीरो देसी न कहानी, फिर भी ये 2 फिल्में कमाती जा रहीं, एक बनी 100 करोड़ी दूसरी बस बनने वाली

बॉक्स ऑफिस पर हर हफ्ते कई फिल्मों का आना-जाना लगा रहता है. लेकिन इस बार बिना देसी हीरो और बिना देसी कहानी की ये दो फिल्में बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही हैं.एक तरफ ब्रैड पिट की एफ 1 और दूसरी तरफ जुरासिक वर्ल्ड रिबर्थ ने कमाई के मामले में कई बॉलिवुड की फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. इन दोनों फिल्मों को रिलीज हुए लंबा समय हो चुका है लेकिन अभी तक ये बाकी की फिल्मों को जबरदस्त टक्कर दे रही है. यहां जानिए दोनों की कुल कमाईये फिल्म 4 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. तरण आदर्श के रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म रिलीज होने के पहले हफ्ते में इसने इंडियन बॉक्स ऑफिस में 56.48 करोड़ का कुल कलेक्शन किया. हफ्ते बीतते गए और फिल्म की कमाई की चाल धीमी भी होने लगी.लेकिन 7वें हफ्ते तक इस फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा भी पूरा कर लिया. रिपोर्ट के मुताबिक जुरासिक वर्ल्ड रिबर्थ ने अबतक 100.07 करोड़ की कुल कमाई कर ली है. इस एक्शन साई-फाई फिल्म को इंडियन दर्शकों ने काफी प्यार दिया है और इसकी कहानी की भी काफी सराहना की जा रही है.इंडियन फिल्म क्रिटिक तरन आदर्श ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल (पहले ट्विटर) से पोस्ट शेयर कर ये जानकारी दी कि भले एफ 1 के लिमिटेड शोज है लेकिन ये फिल्म ऑडियंस को अट्रैक्ट करने और उन्हें इंप्रेस करने में काफी हद तक कामयाब हुई है. ऐसा इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि ये फिल्म 100 करोड़ के क्लब में अपने एंट्री से बस थोड़ी ही दूर है.करीब डेढ़ महीने पहले ये स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म रिलीज हुई थी. 27 जून को रिलीज हुई इस फिल्म ने अपनी कहानी से इंडियन ऑडियंस को बहुत एंटरटेन किया है। रिलीज के पहले हफ्ते में फिल्म ने 34.78 करोड़ का कुल कलेक्शन किया था.अब 8वें हफ्ते का कलेक्शन देखें तो ब्रेड पीट की इस फिल्म ने 96.73 करोड़ की कुल कमाई है. इस स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म ने अपने दमदार एक्शन और रोमांचक कहानी से दर्शकों को बहुत एंटरटेन किया है. अब ये देखना दिलचस्प होगा कि एफ 1 को 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मिलती है या नहीं।

वॉर 2 वालों ने संवारा एक ही दिन पैदा हुई दोनों एक्ट्रेस का करियर

भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित प्रोडक्शन कंपनियों में से एक यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने कई प्रतिभाशाली कलाकारों को बॉलीवुड में लॉन्च किया है. उनमें गौहर खान और वाणी कपूर भी शामिल हैं, जिनकी प्रतिभा को वाईआरएफ ने ही तराशने का काम किया. गौहर ने 2009 में वाईआरएफ की फिल्म रॉकेट सिंह- सेल्समैन ऑफ द ईयर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जबकि वाणी कपूर ने 2013 में शुद्ध देसी रोमांस के साथ डेब्यू किया. हालांकि, बाद में वे दोनों वाईआरएफ की कई अन्य फिल्मों में भी नजर आईं.

दोनों अभिनेत्रियों का वॉर 2 बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस वाईआरएफ के साथ कनेक्शन उनकी करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा है, जिसने उन्हें बॉलीवुड में एक मजबूत पहचान दिलाई.

गौहर खान-वाणी कपूर- इत्तेफाक या कुछ और? वॉर 2 वालों ने संवारा एक ही दिन पैदा हुई दोनों एक्ट्रेस का करियर

23 अगस्त 1983 को महाराष्ट्र के पुणे में एक मुस्लिम परिवार में जन्मीं गौहर खान पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं और उनकी बड़ी बहन निगार खान भी एक जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस हैं. गौहर ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और 2002 में फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जहां उन्हें मिस टैलेंटेड का खिताब मिला.

गौहर ने मनीष मल्होत्रा, रितु कुमार और नीता लुल्ला जैसे मशहूर डिजाइनरों के लिए मॉडलिंग की. मॉडलिंग में मिली कामयाबी से उनका फिल्मी करियर भी परवान चढ़ा. गौहर ने 2009 में यश राज फिल्म्स की रॉकेट सिंह- सेल्समैन ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में डेब्यू किया.इसके अलावा, 2010 में गौहर खान ने एकता कपूर की फिल्म वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई में एक आइटम नंबर पर्दा में भी अपने हुस्न का जलवा बिखेरा. साथ ही वाईआरएफ की फिल्म इशकजादे (2012) में भी अहम भूमिका निभाई. इशकजादे में उनके आइटम नंबर झल्ला वल्ला और छोकरा जवां को खूब सराहा गया.

गौहर ने 2013 में रियलिटी शो बिग बॉस 7 में हिस्सा लिया और विजेता बनीं, जिससे उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ. इसके अलावा, वह झलक दिखला जा और तांडव (2021) जैसे टीवी शोज में भी नजर आईं.गौहर की पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह बिग बॉस 7 के सह-प्रतियोगी कुशाल टंडन के साथ रिलेशनशिप में थीं, लेकिन बाद में उनका ब्रेकअप हो गया. गौहर ने 25 दिसंबर 2020 को जैद दरबार से शादी की. 10 मई 2023 को उन्होंने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया.गौहर खान-वाणी कपूर- इत्तेफाक या कुछ और? वॉर 2 वालों ने संवारा एक ही दिन पैदा हुई दोनों एक्ट्रेस का करियर

वहीं, 23 अगस्त 1988 को दिल्ली के एक पंजाबी हिंदू परिवार में पैदा हुईं वाणी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और फिर यश राज फिल्म्स के साथ बतौर सहायक काम किया. 2013 में उनकी पहली फिल्म शुद्ध देसी रोमांस रिलीज हुई, जिसमें उनके अभिनय को सराहा गया. इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला डेब्यू के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला.वाणी ने बेफिक्रे (2016), वॉर (2019), चंडीगढ़ करे आशिकी (2021) और रेड 2 (2025) जैसी फिल्मों में काम किया. चंडीगढ़ करे आशिकी में उनके ट्रांसजेंडर किरदार को खूब प्रशंसा मिली. उसी साल, उन्होंने बेल बॉटम में अक्षय कुमार के साथ काम किया, लेकिन यह फिल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही.2022 में उनकी फिल्म शमशेरा रिलीज हुई, लेकिन यह भी असफल रही. 2024 में वह खेल खेल में में नजर आईं, जो एक इटैलियन फिल्म का रीमेक थी. 2025 में वह रेड 2 में अजय देवगन के साथ दिखीं, जो उनकी पहली व्यावसायिक सफलता थी. वह नेटफ्लिक्स की थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर्स में भी नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक अधिकारी की भूमिका निभाई है. उनके किरदार को काफी सराहा गया है.वाणी कपूर और गौहर खान ने अपने करियर में उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा और मेहनत ने उन्हें बॉलीवुड में एक उभरती हुई अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है।

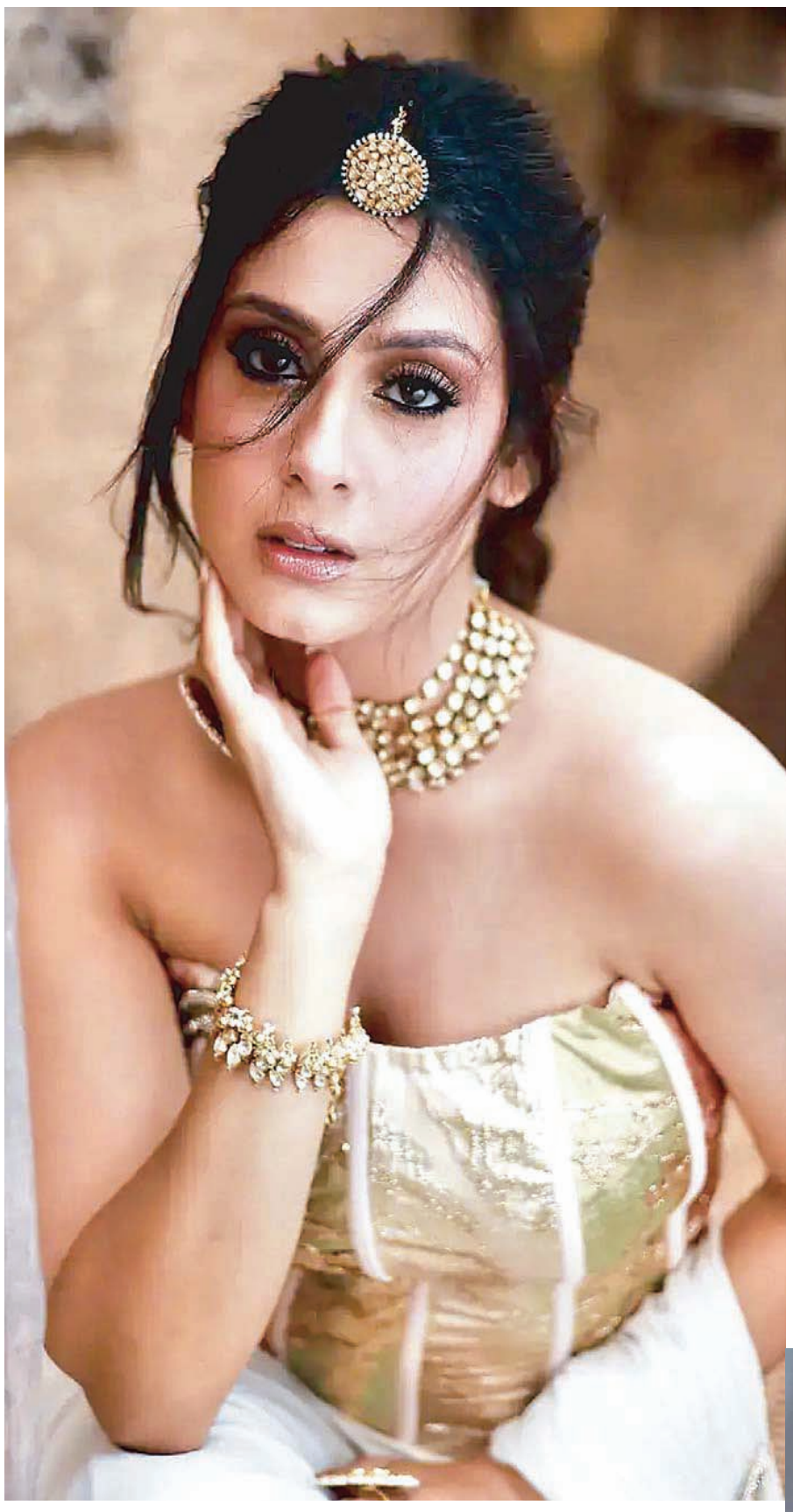

पति पत्नी और पंगा में नजर आएंगे ईशा और अभिषेक

अभिषेक ने कहा, ईशा और मैंने दुनिया के सामने उतार-चढ़ाव और संघर्ष से भरा सफर तय किया है. इस शो में साथ काम करना दर्शकों को हैरान करने जैसा था. पति पत्नी और पंगा में एक बड़ा ट्विस्ट आने वाला है और यह बेहद यादगार होने वाला है.

बिग बॉस 17 में खूब ड्रामा करने के बाद अब लग रहा है कि एक्स-कपल ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार के बीच सब ठीक हो गया है. हाल ही में दोनों एक म्यूजिक वीडियो में साथ नजर आए थे. वहीं ये जोड़ी अब एक रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. कपल शो में इस जोड़ी की एंट्री ने दर्शकों की ये जानने में एक्साइटमेंट बढ़ा दी है कि ये दोनों अब क्या करने वाले हैं. इसी के साथ ये दोनों बिग बॉस 17 के अपने साथी मुनव्वर फारुकी के साथ भी फिर से नज़र आएंगे. मुनव्वर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे के साथ शो को को-होस्ट कर रहे हैंवहीं शो में एंट्री करने के बारे में बात करते हुए, ईशा ने कहा, लाइफ का लोगों को एक-दूसरे के ऑर्बिट में वापस लाने का एक अजीब तरीका है. अभिषेक और मैंने ऐसे चैप्टर शेयर किए हैं जिन्हें लोगों ने स्क्रीन पर और उसके बाहर देखा है. लेकिन यह एक नया फेज है, एक नया टेस्ट है. हालांकि मैं यह नहीं बताऊंगी कि पति पत्नी और पंगा में हमारी एंट्री से दर्शकों को क्या देखने को मिलेगा, लेकिन मुझे पता है कि वे हमारा एक ऐसा साइड देखेंगे जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा.अभिषेक ने कहा, ईशा और मैंने दुनिया के सामने उतार-चढ़ाव और संघर्ष से भरा सफर तय किया है. इस शो में साथ काम करना दर्शकों को हैरान करने जैसा था. पति पत्नी और पंगा में एक बड़ा ट्विस्ट आने वाला है और यह बेहद यादगार होने वाला है.बता दें कि ईशा और अभिषेक पहली बार टेलीविजन शो उडारियां के सेट पर मिले थे. उनका ऑन-स्क्रीन रोमांस जल्द ही असल जिंदगी में भी छा गया. हालांकि, बिग बॉस 17 में जाने से पहले दोनों अलग हो गए और ईशा ने समर्थ जुरेल को डेट करना शुरू कर दिया था. बाद में समर्थ ने भी सलमान खान के शो में भाग लिया था. ऐसे में बिग बॉस के घर के अंदर ईशा मालवीय के एक्स अभिषेक और समर्थ की एक साथ मौजूदगी के कारण उनके बीच काफी तनाव भरी सिचुएशन पैदा हो गई थी. बाद में ईशा का समर्थ से भी ब्रेकअप हो गया था. इन सबके बीच अब एक बार फिर ईशा और अभिषेक पब्लिकली साथ नजर आ रहे हैं.वहीं टीवी शो पति पत्नी और पंगा की बात करें तो ये हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर टेलीकास्ट होता है. शो में नजर आने वाली सात जोड़ियों में हिना खान और रॉकी जायसवाल, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चांदवानी, देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी, ममता लेहरी और सुदेश लेहरी, गीता फोगट और पवन कुमार, और स्वरा भास्कर और फहद अहमद शामिल है।

21 अक्टूबर को दिवाली पर रिलीज होगी एक दीवाने की दीवानीयत

हर कोई जिस पोस्टर का इंतज़ार कर रहा था, वह आखिरकार रिलीज हो गया। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की फिल्म %एक दीवाने की दीवानीयत'का पहला पोस्टर लॉन्च हो चुका है और फिल्म इस दिवाली, 21 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

हर्षवर्धन राणे का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इस साल की शुरुआत में सनम तेरी कसम की शानदार सफलता के बाद अब फैंस उनकी अगली बड़ी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दिवाली जैसी बड़ी रिलीज डेट मिलना दर्शाता है कि इस म्यूजिकल ड्रामा को लेकर उत्सुकता कितनी ज्यादा है।

फिल्म को एक संगीतमय दीवानगी भरी रोमांटिक ड्रामा के रूप में पेश किया जा रहा है। इसका निर्माण अंशुल गर्ग ने अपने बैनर देसी म्यूजिक फैक्ट्री के तहत किया है और राघव शर्मा सह-निर्माता हैं। कहानी मुश्ताक शेख ने लिखी है और मिलाप मिलन जावेरी ने सह-लेखन के साथ निर्देशन भी किया है। यह अंशुल गर्ग की फीचर फिल्म प्रोडक्शन में पहली एंट्री है।

निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने कहा, यह एक जोशीली प्रेम कहानी है। हर्षवर्धन और सोनम की केमिस्ट्री गजब की है और मैं इंतजार नहीं कर पा रहा कि दर्शक इसे दिवाली पर देखें।

सोनम बाजवा इस फिल्म में एक नए अंदाज में नजर आएंगी और पहली बार हर्षवर्धन राणे के साथ जोड़ी बनाएंगी। पहले पोस्टर में ही दोनों की तीव्र केमिस्ट्री साफ दिख रही है, जिससे दर्शकों में फिल्म को लेकर और भी उत्सुकता बढ़ गई है। यह दिवाली म्यूजिक, पैशन और ड्रामा से भरपूर होगी।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र : प्रधानमंत्री मोदी पर 'आपत्तिजनक' पोस्ट के लिए तेजस्वी यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गढ़चिरौली से भाजपा विधायक मिलिंद नरोटे ने राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ शिकायत दी थी। अधिकारी ने कहा कि यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), धारा 356 (मानहानि), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और धारा 353 (सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने का कारण बनने वाले बयान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कौशांबी में ट्रक से एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब बरामद

कौशांबी, एजेंसी। कौशांबी जिले की महेवा घाट थाना पुलिस ने एक ट्रक से एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। ये अवैध शराब पंजाब से बिहार ले जाई जा रही थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि पंजाब से एक ट्रक अंग्रेजी शराब की खेप लेकर कौशांबी से चित्रकूट होते हुए बिहार जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस सूचना पर थाना महेवा घाट पुलिस टीम थाना क्षेत्र के धाता मोड़ के पास पहुंची तो धाता तिराहे के पास मंझनपुर रोड पर एक ट्रक आता दिखाई पड़ा। ट्रक को रोके जाने पर चालक और खलासी ट्रक छोड़कर भागने लगे जिन्हें घेर कर पकड़ लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों ने अपना नाम रमेश कुमार और पप्पू राम निवासी जिला बाड़मेर, राजस्थान बताया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि बरामद की गई अवैध शराब पंजाब से बिहार ले जाई जा रही थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ट्रक में 809 पेटी अंग्रेजी शराब थी, जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट के खिलाफ केस, सरकारी वकील को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर जिले के वाडवानी में एक सरकारी वकील ने खुदकुशी कर ली। इसके बाद एक न्यायिक मजिस्ट्रेट के खिलाफ शुक्रवार को 'आत्महत्या के लिए उकसाने' का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, वकील विनायक चंदेल (47) ने कथित तौर पर स्थानीय अदालत के भवन में फांसी लगा ली। यह घटना उस समय सामने आई जब शुक्रवार सुबह अदालत का कर्मचारी काम करने के लिए वहां पहुंचा।

क्लर्क पर भी आरोप : इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को मिले सुसाइड नोट में चंदेल ने प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट रफीक शेख और तायडे नामक क्लर्क को दोषी ठहराया है। चंदेल के बेटे की शिकायत के अनुसार, उसके पिता जनवरी 2025 से वाडवानी अदालत में सरकारी वकील के रूप में कार्यरत थे। पिछले कुछ हफ्तों से वह तनाव में थे और परिवार के सदस्यों से उन्होंने कहा था कि हाल ही में कार्यभार संभालने वाले न्यायिक मजिस्ट्रेट रफीक शेख ने बिना किसी कारण के उन्हें अपमानित और उत्पीड़ित किया।

सुसाइड नोट में क्या लिखा : शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि तायडे ने भी चंदेल के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। आत्महत्या के कथित नोट में चंदेल ने लिखा, 'न्यायिक मजिस्ट्रेट रफीक शेख मुझे सभी के सामने अपमानित करते हैं और मेरी नहीं सुनते' और 'समन जारी करने वाला तायडे भी मेरे साथ सहयोग नहीं करता।' वकील ने नोट में यह भी कहा कि उनके पास आत्महत्या के अलावा कोई विकल्प नहीं था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शेख और तायडे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले में जांच जारी है।

रेवंत रेड्डी से लेकर फडणवीस तक, देश में 40 फीसदी मुख्यमंत्रियों पर दर्ज आपराधिक मामले

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव अधिकार संस्था एडीआर की एक नई रिपोर्ट के अनुसार देश के 30 मुख्यमंत्रियों में से 12 यानी 40 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने खिलाफ सबसे अधिक 89 मामले घोषित किए हैं, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 47 मामले घोषित किए हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने 19, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 13 और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पांच मामले घोषित किए हैं। महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और सुखविंदर सिंह सुक्खू ने चार-चार मामले, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने दो और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक मामला घोषित किया है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब सरकार तीन विधेयक लाई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में 30 दिनों के लिए गिरफ्तार किए गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने का प्रावधान है।

रेड्डी के एक फैसले के बाद छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा में वृद्धि हुई: विजय शर्मा

पुणे, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि 2011 में उनके द्वारा दिए गए एक फैसले के बाद छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा में वृद्धि हुई। पुणे में शुक्रवार को रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ में नक्सली चुनौती पर काबू पाना विषय पर व्याख्यान देते हुए शर्मा ने कहा कि 2011 के फैसले के बाद बस्तर में दहशत फैल गई थी। पूरे क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा हत्याओं की लहर दौड़ गई। हजारों लोग इसके शिकार हुए। कई लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लोगों को अपंग बना दिया गया या गला घोंटकर मार डाला गया।

भाजपा नेता ने कहा

भाजपा नेता ने कहा कि वह यह बताना चाहेंगे कि जिस जज ने वह फैसला सुनाया था, वह आज कांग्रेस के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। बस्तर के लोगों ने मुझसे पूछा है कि क्या यह उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार वही जज है? उन्हें उनका नाम याद है। ऐसे व्यक्ति को कोई कैसे स्वीकार कर सकता है? उन्होंने कहा कि सलवा जुडूम आंदोलन बस्तर में नक्सलियों द्वारा किए गए अत्याचारों के जवाब में शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने नक्सलियों से अपनी सुरक्षा के लिए अपने शिविर स्थापित किए। इसमें शुरुआत में सरकार की कोई भागीदारी नहीं थी। बाद में सरकार ने कुछ सहायता प्रदान करना शुरू किया। यह आंदोलन पूरी तरह से जनता द्वारा संचालित था। सलवा जुडूम शब्द का अर्थ है शांति की बहाली।

आंदोलन से जुड़े लोगों ने नक्सलियों का विरोध किया और उन्हें अपने गांव छोड़ने को कहा। शर्मा ने बताया कि जब नक्सलियों ने इन शिविरों पर हमला करना शुरू किया तो सरकार ने आंदोलन के सदस्यों को विशेष पुलिस अधिकारी के रूप में नियुक्त करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि 2011 में, जस्टिस रेड्डी ने एक फैसला सुनाया जिसमें सलवा जुडूम की स्थापना को गलत बताया गया। इसे एक असंवैधानिक समानांतर व्यवस्था बताते हुए इसे भंग करने का आदेश दिया गया।

शर्मा ने कहा कि यह फैसला ठोस कानूनी तर्क पर आधारित नहीं था, बल्कि काफी हद तक एक अकादमिक तर्क था। उन्होंने कहा कि बस्तर के लोग अब भी कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में याचिकाकर्ताओं और पुलिस की दलीलें तो सुनीं, लेकिन उनकी अपनी आवाज कभी नहीं सुनी गई। अदालत ने सबसे ज्यादा प्रभावित लोगों की बात सुने बिना ही फैसला सुना दिया। शर्मा ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के अनुसार, मार्च 2026 तक बस्तर से सशस्त्र नक्सलवाद का सफाया करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बस्तर के हर कोने में भारतीय संविधान को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा ने कहा कि नक्सली किसी के अधिकारों के लिए नहीं लड़ रहे हैं। वे केवल माओवाद की विचारधारा में विश्वास करते हैं, जो कहती है कि सत्ता बंदूक की नली से आती है। इसी विचारधारा के साथ वे स्थानीय लोगों में आतंक पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार नक्सल आंदोलन में शामिल लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

215 स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेगी जम्मू सरकार

प्रतिबंधित संगठन से था संबंध

कश्मीर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर सरकार 215 स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेने वाली है। इस बारे में आदेश जारी हो चुका है। यह सभी स्कूल फलाह-ए-आम ट्रस्ट द्वारा चला जा रहे थे। जमात-ए-इस्लामिया का हिस्सा होने के चलते एफएटी पर बैन लग चुका है। जम्मू-कश्मीर सरकार के सेक्रेट्री राम निवास शर्मा ने इस बारे में आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया है कि 215 एफएटी-संचालित (फलाह-ए-आम ट्रस्ट) स्कूल, जिसे जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर चलाता है, इन्हें सरकार अपने नियंत्रण में ले लेगी। इसमें कहा गया है कि खुफिया एजेंसियों ने कई स्कूलों की पहचान की है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई)/फलाह-ए-आम ट्रस्ट (एफएटी) से जुड़े हुए पाए गए हैं।

आदेश में क्या

आदेश में लिखा है कि 215 ऐसे स्कूलों की प्रबंध समिति की वैधता समाप्त हो गई है या खुफिया एजेंसियों द्वारा उनके बारे में प्रतिकूल रिपोर्ट दी गई है। इसे देखते हुए 215 स्कूलों की प्रबंध समिति को संबंधित जिला मजिस्ट्रेट/उपायुक्त द्वारा अपने नियंत्रण में ले लिया जाएगा। आदेश के मुताबिक उचित सत्यापन के बाद इन स्कूलों के लिए यथासमय एक नई प्रबंध समिति का प्रस्ताव करेंगे।

बिहार विस चुनाव से पहले भाजपा को मिल सकता है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को लंबे समय से अपने अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष का इंतजार है। पहले माना जा रहा था कि 15 अगस्त तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा, लेकिन जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने की वजह से इसमें देरी हो गई। एनडीटीवी के सूत्रों के अनुसार, इस साल के आखिर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले बीजेपी को उसका राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। नए अध्यक्ष के नेतृत्व में ही बीजेपी बिहार का चुनाव लड़ेगी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि बीजेपी अध्यक्ष के लिए लगातार पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चर्चा कर रहा है। आरएसएस और बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने अध्यक्ष के नाम की तलाश करने के लिए कम से कम 100 शीर्ष नेताओं से संपर्क करते हुए बातचीत की है। वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों, पूर्व पार्टी प्रमुखों और आरएसएस से जुड़े वरिष्ठ लीडर्स समेत अन्य के साथ इस बारे में चर्चा हुई है कि उनके हिसाब से पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होना चाहिए। बीजेपी अध्यक्ष को लेकर हुई देरी के पीछे एक वजह नौ सितंबर को होने वाला उपराष्ट्रपति पद का चुनाव है। बीजेपी ने यह नहीं सोचा था कि अचानक से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा हो जाएगा और फिर उपराष्ट्रपति के लिए नाम तय करना पड़ेगा। एनडीए ने हाल ही में उपराष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन के नाम का ऐलान किया है, जबकि इंडिया अलायंस की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज सुदर्शन रेड्डी ने नामांकन किया है। आंकड़ों की मानें तो एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत तय मानी जा रही है।

जापानी राजदूत से मिलीं राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी गुरुवार को नई दिल्ली में थी, जहां पर उन्होंने जापान के राजदूत ओनो केइची के घर जाकर उनसे मुलाकात की। इस भेंट के दौरान मेजबान राजदूत ने पारंपरिक जापानी वेशभूषा पहनकर उपमुख्यमंत्री का बेहद गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके सम्मान में खास तरह की चाय बनाकर उन्हें दी। इस दौरान परंपरा और कूटनीति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस मेल-मिलाप के फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए दोनों व्यक्तियों ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस मुलाकात के जो फोटोज शेयर किए उसमें से एक में दोनों साथ-साथ बैठे हुए नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरे फोटो में केइची को माचा चाय बनाते हुए देखा जा सकता है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत में जापान के राजदूत श्री ओनो केइची के आवास पर मेरा ताजी-ताजी माचा (एक तरह की चाय) के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जाटा टूरिज्म एक्सपो के लिए मेरी जापान यात्रा से पहले, हमने राजस्थान और जापान के बीच संबंधों को मजबूत करने और पर्यटन सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा की। इस तरह के सांस्कृतिक आदान-प्रदान साझा परंपराओं की सुंदरता और राष्ट्रों के बीच सेतु निर्माण की शक्ति को उजागर करते हैं।

उधर जापान के राजदूत ओनो केइची ने इस भेंट की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री माननीया दीया कुमारी का अपने आवास पर स्वागत किया और उन्हें ताज़ी माचा परोसी। हमने जापान और राजस्थान के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया। हमारे सांस्कृतिक सेतु और भी मजबूत हों, यही कामना है।'

जापानी राजदूत ने अपने घर के जिस कमरे में उपमुख्यमंत्री को बैठाया था, उसकी पूरी सजावट पारंपरिक जापानी तरीके से की गई थी। जहां जमीन पर सिर्फ तातामी मैट (पारंपरिक जापानी चटाई) बिछी हुई थी। यह एक तरह की मुलायम चटाई होती हैं जिनका इस्तेमाल पारंपरिक जापानी शैली के कमरों में फर्श बनाने के लिए किया जाता है। साथ ही पीछे दीवार पर जापानी भाषा में लिखा एक पोस्टर लगा दिख रहा है। वैसे बता दें कि जापानी दूतावास ने यह कमरा टी क्लब सेरेमनी के लिए बनाया है। और यहां पर जो स्क्रॉल लगा है, उस पर जापानी भाषा में जो लिखा है, उसका मतलब होता है, सद्भाव, सम्मान, पवित्रता और शांति, जो चाय समारोह को सिद्ध करने वाले सेन नो रिक्यू (एक जापानी चाय विशेषज्ञ) द्वारा स्थापित सादो के सार को दर्शाता है।

पीएम-सीएम को हटाने वाले विधेयक पर जेपीसी को लेकर विपक्ष में मतभेद, टीएमसी का अलग रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को 30 दिन की जेल के बाद पद से हटाने के लिए लाए गए विधेयक को संसदीय संयुक्त कमेटी के पास भेज दिया गया है। लेकिन अब इस कमेटी को गठित करने के लिए विपक्षी सांसदों में मतभेद सामने आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी के इस समिति में अपने सदस्यों को भेजने की संभावना नहीं है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने इंडिया ब्लॉक की मीटिंग के दौरान इस बात का सुझाव दिया कि पूरे विपक्ष को ही इस समिति का बहिष्कार करना चाहिए। लेकिन विपक्ष की बाकी पार्टियों ने समिति में शामिल होने की बात कही, ताकि मोदी सरकार इसे मंजूरी न दिलवा पाए। उनके मुताबिक समिति ही एक ऐसी जगह है, जहां पर विपक्ष अपनी

बात रख सकता है और कुछ नए सुझाव भी दे सकता और दूरी भी बना सकता है। इस पर टीएमसी के एक नेता ने कहा कि अगर विपक्ष समिति में जाता है, तो यहां भी सरकार वक्फ बिल की तरह कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेगी। इसके बाद टीएमसी की तरफ से इस बात के संकेत दिए गए कि वह अपने 31 सांसदों के दल में से किसी को भी समिति में नहीं भेजेगी। हालांकि टीएमसी की तरफ से अभी तक कोई फाइनल निर्णय नहीं लिया गया है। ऐसे में कांग्रेस, जिसे 4 से 5 सीटें मिलेगी और अन्य इंडिया ब्लॉक पार्टियां टीएमसी के फैसले का इंतजार कर रही हैं।

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए इस बिल को विपक्षी सरकारों को गिराने का राजनीतिक हथियार बताने वाली तृणमूल कांग्रेस ने संयुक्त समिति को समय की बर्बादी बताया है। उनके मुताबिक सरकार के पास संसद में इस विधेयक को पास कराने का बहुमत नहीं है। क्योंकि संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता है, जो कि वर्तमान में एनडीए सरकार के पास नहीं है। इसके बाद भी किसी तरह से यह बिल पास हो भी जाता है, तब भी यह न्यायिक प्रक्रिया का सामना नहीं कर पाएगा।

घुसपैठ गंभीर समस्या, भारत की सीमा सुरक्षा के लिए मजबूत नीति महत्वपूर्ण: केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सीमा सुरक्षा के लिए एक मजबूत नीतिगत ढांचा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में उल्लेखनीय बदलाव हुए हैं।

सीमा पार से घुसपैठ

सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश पर प्रभाव' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए रीजीजू ने कहा, ''देश की शुरुआत सीमा से होती है। हमारे देश में ज़्यादातर लोग सीमावर्ती इलाकों की समस्याओं को नहीं समझते। सीमा पार से घुसपैठ का सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश पर प्रभाव एक गंभीर समस्या है।'' उन्होंने कहा, ''2014 से पहले, जब हम सीमा पर जाते थे, तो उस पार के गांवों में सुविधाएं थीं, लेकिन हमारे यहां नहीं थीं। आज, एक मजबूत नीति के तहत, भारत साहस के साथ अपनी जमीन के हर इंच तक पहुंच रहा है।'' अरुणाचल प्रदेश के निवासी रीजीजू ने कहा कि कई सीमावर्ती गांवों के निवासियों ने बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच की उम्मीद छोड़ दी थी। उन्होंने कहा, ''2018 में, सड़कें, बिजली और नेटवर्क आखिरकार गुंजी (उत्तराखंड) जैसे दूरदराज के गांवों तक पहुंच गए। 2014 के बाद के नेतृत्व ने एक मज़बूत सीमा नीति शुरू की और अब सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं।इसके अलावा सीमा जागरण मंच, मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्यकालीन) और आंतरिक एवं जन सुरक्षा केंद्र (सीआईपीएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में डीयू, जेएनयू और हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के 174 शोधकर्ताओं और छात्रों ने भाग लिया। सम्मेलन के साथ आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सीमा मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने में सीमा जागरण मंच के क्रांतिकारी कार्य की प्रशंसा की। हेमवती विश्वविद्यालय के कुलपति श्रीप्रकाश सिंह ने सीमा संबंधी चिंताओं पर जन जागरूकता के महत्व पर बल दिया, जबकि सीमा जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक मुरलीधर ने कहा कि घुसपैठ विकास में एक बड़ी बाधा बनी हुई है। मुरलीधर ने कहा, देश की सुरक्षा केवल सेना और पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है; प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका समझनी चाहिए।

अब गांव का डाकघर भी होगा स्मार्ट! इंडिया पोस्ट ने शुरू की 5800 करोड़ की नई एडवांस्ड पोस्टल तकनीक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय डाक ने घोषणा की कि उसने आईटी 2.0 उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के साथ डिजिटल परिवर्तन के एक नए युग में प्रवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल को डिजिटल इंडिया की दिशा में भारतीय डाक की यात्रा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

यह उन्नत डाक प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म देश के 1.65 लाख डाकघरों में से प्रत्येक में तेज़, अधिक विश्वसनीय और नागरिक-अनुकूल डाक और वित्तीय सेवाएँ लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित यह प्रणाली सरकार के मेघराज 2.0 क्लाउड पर चलती है और बीएसएनएल की राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी द्वारा समर्थित है। सिंधिया ने कहा कि यह

परियोजना भारतीय डाक को एक विश्वस्तरीय सार्वजनिक रसद संगठन में बदल देगी। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत का एक उदाहरण बताया - जो अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों के निर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। यह नई प्रणाली कई अगली पीढ़ी की सुविधाएँ प्रदान करती है, जिनमें एकीकृत इंटरफ़ेस, क्यूआर-कोड-आधारित भुगतान, ओटीपी-आधारित डिलीवरी और सटीकता में सुधार के लिए 10-अंकीय अल्फ़ान्यूमेरिक डिजीपिन शामिल हैं। आपको बता दें कि एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी को आईटी 2.0 प्रोग्राम के तहत 5800 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित किया गया है। इसके बाद आपके गांव का डाकघर अमेजन से भी ज्यादा स्मार्ट हो जाएगा।

यह बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक, सभी के लिए संपूर्ण डिजिटल समाधान भी प्रस्तुत करता है, जिससे एक खुले नेटवर्क सिस्टम के माध्यम से बेहतर दक्षता और मज़बूत ग्रामीण कनेक्टिविटी सुनिश्चित होती है। इसकी शुरुआत चरणबद्ध तरीके से की गई, जिसकी शुरुआत मई-जून 2025 में कर्नाटक डाक सर्कल में एक पायलट प्रोजेक्ट के साथ हुई। प्रारंभिक अनुभवों के साथ प्लेटफ़ॉर्म को और बेहतर बनाने के बाद, इस परियोजना का देशव्यापी विस्तार हुआ और 4 अगस्त तक यह सभी 23 डाक सर्कलों में फैल गई। आज, डाकघरों, डाक कार्यालयों और प्रशासनिक इकाइयों सहित 1.70 लाख से ज़्यादा कार्यालय एक्क्ष सिस्टम पर लाइव हैं। इस बदलाव की तैयारी के लिए, इंडिया पोस्ट ने कैस्केड प्रशिक्षण मॉडल के तहत 4.6 लाख से ज़्यादा कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया, जिससे हर स्तर पर इसे आसानी से अपनाया जा सके।

इस प्रणाली ने एक ही दिन में 32 लाख से ज़्यादा बुकिंग और 37 लाख डिलीवरी करके अपनी व्यापकता और विश्वसनीयता साबित कर दी है। आईटी 2.0 के अब पूरी तरह से चालू होने के साथ, भारतीय डाक ने एक आधुनिक, तकनीक-संचालित सेवा प्रदाता के रूप में अपनी स्थिति को और पुष्ट किया है और साथ ही अपने विश्वास और बेजोड़ पहुँच की विरासत को भी जारी रखा है।

भारत के पूर्व ओपनर बल्लेबाज ने की भविष्यवाणी

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप जीत सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के निर्भिक नेतृत्व में मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम आगामी एशिया कप जीत सकती है। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा। टी20 प्रारूप के इस टूर्नामेंट का 2016 में पहला संस्करण जीतने वाली भारतीय टीम को ग्रुप ए में पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, ओमान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है।

ग्रुप बी में श्रीलंका, हांगकांग, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। सहवाग ने आगामी टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के 'रग रग में भारत अभियान के मौके पर कहा, 'इस भारतीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का सही मिश्रण है। सूर्यकुमार के निर्भिक नेतृत्व में टीम एक बार फिर एशिया में अपना दबदबा बना सकती है। उनकी आक्रामक मानसिकता टी20 प्रारूप के लिए बिल्कुल उपयुक्त है और अगर टीम इसी इरादे से खेलती है तो इसमें कोई शक नहीं है कि भारत ट्रॉफी जीत सकता है। उन्होंने कहा, 'यह (रग रग में भारत) अभियान भारतीय क्रिकेट की धड़कन को खूबसूरती से जीवंत करता है। आप देश के किसी भी हिस्से से हों, जब भारत खेलता है तो भावनाएं हमें एकजुट करती हैं। मैं इसमें भी यही जुनून महसूस कर सकता हूं और यही जुड़ाव क्रिकेट को इतना ताकतवर बनाता है। सूर्यकुमार एशिया कप में 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल उनके उप कप्तान होंगे। एशिया कप के सभी मैच दो स्थान दुबई और अबुधाबी में आयोजित किए जाएंगे।

RCB प्लेयर ने किया खुलासा

IPL में कब तक खेलेंगे विराट कोहली?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने पिछले एक साल में टी20 इंटरनेशनल और टेस्ट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया. इस दौरान फैंस के मन में ये सवाल जरुर आता होगा कि कोहली आईपीएल में कब तक खेलेंगे. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए कोहली की मौजूदगी टीम और फैंस दोनों के लिए बेहद खास है. इसी बीच RCB के युवा बल्लेबाज स्वास्तिक चिकारा ने कोहली के साथ हुई बातचीत का बड़ा खुलासा किया है. कोहली ने ये भी बताया कि वो कब तक खेलेंगे.

20 साल के चिकारा, उत्तर प्रदेश के दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जिन्हें आईपीएल 2025 के दौरान कोहली के साथ समय बिताने का मौका मिला. हाल ही में रेवस्पोर्ट्ज के साथ एक इंटरव्यू में चिकारा ने खुलासा किया कि कोहली का आईपीएल में भविष्य को लेकर क्या प्लान है. स्वस्तिक ने मुताबिक, विराट ने कहा, जब तक मैं पूरी तरह फिट रहूंगा, तब तक क्रिकेट खेलूंगा. ये इंपैक्ट प्लेयर की तरह नहीं खेलूंगा. मैं शेर की तरह खेलूंगा, 20 ओवर फील्डिंग करूंगा और फिर बल्लेबाजी करूंगा. जिस दिन मुझे इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलना पड़ा, मैं क्रिकेट छोड़ दूंगा.

● आईपीएल 2025 में कोहली का जबरदस्त प्रदर्शन, 17 साल में पहली बार जीता खिताब

कोहली ने आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन किया. कोहली ने 15 मैच खेलकर 657 रन जड़े. कोहली ने 8 अर्धशतक जड़े. वहीं उनका स्ट्राइक रेट लगभग 145 का रहा. कोहली के जबरदस्त प्रदर्शन की वजह से आरसीबी ने 17 साल में पहली बार आईपीएल का खिताब जीता. कोहली ने फाइनल मैच में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया. वो अपनी टीम से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे. कोहली ने फाइनल में पंजाब के खिलाफ 35 गेंदों में 43 रन बनाए. पंजाब को हराकर आरसीबी और कोहली ने 17 साल में पहली बार ट्रॉफी जीतकर इतिहास रच दिया. बात करें चिकारा की तो, वो आरसीबी टीम का हिस्सा रहे. लेकिन उन्हें एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला.

हो गया कंफर्म

भारत में खेलते दिखेगी लियोनेल मेसी की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। महीनों की विचार-विमर्श के बाद लियोनेल मेसी की टीम एल्बीसेलेस्टे (अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम) के इस नवंबर में केरल में एक दोस्ताना मैच के लिए आने का रास्ता साफ हो गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने शनिवार (23 अगस्त) को इसकी पुष्टि की। एएफए ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, ÷लियोनेल स्कोलोनी के नेतृत्व में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम 2025 के शेष समय में दो फीफा मैत्री मैच खेलेगी। पहला अक्टूबर में 6 से 14 तारीख तक संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी और शहर आगे तय होंगे)। दूसरा नवंबर में 10 से 18 तारीख तक अंगोला के लुआंडा में और भारत के केरल में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी आगे निर्धारित किए जाएंगे)।

➲ अर्जेंटीना ने चैंपियन बनने के बाद केरल को कहा था धन्यवाद

फीफा वर्ल्ड कप 2022 में कतर में अर्जेंटीना की टीम को मलयाली प्रशंसकों से भारी समर्थन मिला था। इस मैच के आयोजन का यह बड़ा कारण है। मेसी एंड कंपनी ने 1986 के बाद पहली बार विश्व कप खिताब जीता था। एक्स पोस्ट में अर्जेंटीना ने 18 दिसंबर 2022 को विश्व कप जीत के एक दिन बाद बांग्लादेश,भारत और पाकिस्तान और केरल से मिले समर्थन के लिए धन्यवाद किया।

➲ केरल ने विश्व चैंपियन को दिया था निमंत्रण

दिसंबर 2022 में एक्स पर एएफए के पोस्ट में कहा गया, शुक्रिया बांग्लादेश। शुक्रिया केरल, भारत, पाकिस्तान। आपका समर्थन अद्भुत था! तीन दिन बाद केरल ने विश्व चैंपियन को आधिकारिक निमंत्रण दिया। खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने एएफए अध्यक्ष क्लाउडियो टोपिया को पत्र लिखा।

➲ 2024 में हुई दौरे की घोषणा

नवंबर 2024 में अब्दुरहीमान ने अर्जेंटीना के केरल का दौरा करने के निर्णय की घोषणा की। मंत्री ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, केरल के फुटबॉल प्रशंसकों का प्यार और समर्थन उल्लेखनीय रहा है और अर्जेंटीना की टीम उनसे जुड़ने के लिए उत्सुक है।

➲ केरल में अर्जेंटीना-मैच की तारीख और शेड्यूल

अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि 38 वर्षीय मेसी भी केरल आएंगे या नहीं। अर्जेंटीना नवंबर में दो मैत्री मैच खेलने वाला है। केरल में होने वाला यह मैच तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसकी पुष्टि शनिवार को हुई।

मेसी का कोलकाता दौरा

पिछले हफ्ते बताया था कि मेसी दिसंबर 2025 में एक अलग दौरे पर भी भारत आएंगे। वह 12 दिसंबर को कोलकाता से अपने चार शहरों के दौरे की शुरुआत करेंगे। कोलकाता से वह अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली जाएंगे। मेसी की पहली भारत यात्रा नहीं होगी। वह 2011 में कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेले थे। यह अर्जेंटीना के कप्तान के रूप में मेसी का पहला मैच भी था।

यूएस ओपन बेहद मुश्किल टूर्नामेंट है, जीतना आसान नहीं: जानिक सिनर

नई दिल्ली, एजेंसी। गत विजेता जानिक सिनर एक बार फिर से यूएस ओपन 2025 में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीतने के लिए तैयार हैं। लगातार दो साल यूएस ओपन जीतना आसान नहीं होता। लेकिन, इस कठिन उपलब्धि को हासिल करने के लिए सिनर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी की वजह से सिनसिनाटी ओपन के फाइनल के बीच से हटने वाले सिनर यूएस ओपन के लिए न्यूयॉर्क पहुंचकर खुश हैं। एटीपी के मुताबिक सिनर ने कहा, मैं यहां वापस आकर बहुत खुश हूं। यह एक शानदार टूर्नामेंट है। सीजन का यह आखिरी ग्रैंड स्लैम है, इसलिए हमारा उत्साह ज्यादा है। शारीरिक रूप से मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं लगभग पूरी तरह से ठीक हो गया हूं। टूर्नामेंट शुरू होने से पूर्व में फिटनेस के उच्चतम स्तर पर पहुंचना चाहता हूं। सिनर से पूछा गया कि हाल के वर्षों में यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों रहा है? उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यहां रात में या दिन में खेलने से बहुत कुछ बदल जाता है। इस ग्रैंड स्लैम में कई छोटी-छोटी बातें भी फर्क डालती हैं। यह बेहद मुश्किल टूर्नामेंट है, जीतना कभी भी आसान नहीं है।

एशिया कप से पहले आई बड़ी वाली खबर

गिल हुए टीम से बाहर!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल टीम से बाहर हो सकते हैं. बीमार होने की वजह से गिल इस समय घर पर हैं और आराम कर रहे हैं. उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की बात हो रही है. टीम इंडिया के टेस्ट टीम कप्तान शुभमन गिल को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है.

वो टीम से बाहर हो सकते हैं. उनकी तबीयत खराब है और वो अपने घर पर आराम कर रहे हैं. इस वजह से उनका मैच खेलना मुश्किल लग रहा है. इसकी वजह से उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जा सकता है. 28 अगस्त से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी में शुभमन गिल नार्थ जोन की कप्तानी करने वाले थे, लेकिन बीमार होने की वजह से उनका इस टूर्नामेंट में खेलना मुश्किल लग रहा है.

20 वर्ल्ड चैंपियनशिप:

अंडर-20 चैंपियनशिप में संघर्ष करते नजर आए भारतीय ग्रीको रोमन पहलवान

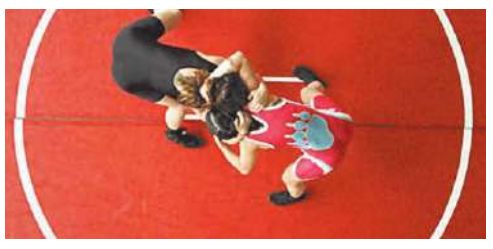

समोकोव, एजेंसी। अनुज (67 किलो) को चीन के झाओयान लियु ने 9-0 से और नमन (97 किलो) को क्रोएशिया के आंद्रेज रोडिन ने 2-1 से हराया। लियू बाद में क्वार्टर फाइनल भी हार गए जिससे अमन का रेपचेज दौर में पहुंचने का रास्ता भी बंद हो गया। भारत के ग्रीको रोमन पहलवान अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में संघर्ष करते नजर आए। तीन खिलाड़ी क्वालिफाइंग दौर में ही बाहर हो गए, जबकि पांच अन्य पहलवान पदक की दौड़ में पहुंचने में सफल रहे। अनुज (67 किलो) को चीन के झाओयान लियु ने 9-0 से और नमन (97 किलो) को क्रोएशिया के आंद्रेज रोडिन ने 2-1 से हराया। लियू बाद में क्वार्टर फाइनल भी हार गए जिससे अमन का रेपचेज दौर में पहुंचने का रास्ता भी बंद हो गया। रोडिन भी फाइनल में नहीं पहुंच पाए जिससे नमन भी बाहर हो गए। विनीत को मिस्र के मोहम्मद शाबाम इब्राहिम ने 72 किलोवर्ग में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। अनिल मोर (55 किलो) को अजरबैजान के तूरान दाशदामिरोव ने मात दी। उन्होंने इससे पहले बुल्गारिया के योरडान टोपालोव को 8-0 से हराया था। दाशदामिरोव अगर फाइनल में पहुंचते हैं तो मोर को रेपचेज में खेलने का मौका मिलेगा। काजल महिलाओं के 72 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक के लिए खेलेंगी, जबकि श्रुति (50 किलो) और सारिका (53 किलो) कांस्य पदक के लिए खेलेंगी। ग्रीको रोमन पहलवान सूरज (60 किलो) और प्रिंस (72 किलो) भी कांस्य पदक के लिए खेलेंगे।

ट्रंप से मिले FIFA चीफ, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले-

लास वेगास नहीं, अब वाशिंगटन में होगा 2026 विश्वकप का ड्रॉ

वाशिंगटन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब पहले से भी बड़ा होगा, जिसमें पहली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी और 104 मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का ग्रुप ड्रॉ अब लास वेगास में नहीं, बल्कि पांच दिसंबर को वॉशिंगटन डीसी के केनेडी सेंटर में होगा। इसकी घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की, जहां फीफा अध्यक्ष इन्फेंटिनो भी मौजूद रहे। दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजन में से एक फीफा वर्ल्ड कप 2026 अब और भी भव्य होने वाला है।

पहली बार इस टूर्नामेंट में कुल 48 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 104 मुकाबले खेले जाएंगे। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का ड्रॉ अब लास वेगास में नहीं, बल्कि अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी के प्रतिष्ठित केनेडी सेंटर में होगा और इसकी घोषणा खुद अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है। उन्होंने एलान किया कि 2026 पुरुष फुटबॉल वर्ल्ड कप का ग्रुप ड्रॉ इस साल दिसंबर में वॉशिंगटन डीसी में किया जाएगा।

कार्यक्रम में फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो भी रहे मौजूद: ओवल ऑफिस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप के साथ फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो भी मौजूद थे। इन्फेंटिनो वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भी साथ लाए थे। उन्होंने कहा कि ड्रॉ का सीधा प्रसारण दुनिया भर में होगा और इसे करीब एक अरब लोग देखेंगे। यह 104 मैचों का टूर्नामेंट होगा, यानी 104 सुपर बाउल्स। इसी दौरान जब इनफैंटिनो ने ट्रंप को ट्रॉफी पकड़ने का मौका दिया, तो ट्रंप ने मुस्कुराते हुए पूछा कि क्या मैं इसे रख सकता हूं?

केनेडी सेंटर में पांच दिसंबर को होगा ड्रॉ: ये ड्रॉ पांच दिसंबर को केनेडी सेंटर में होगा, जहां ट्रंप चेयरमैन हैं। इससे पहले यह माना जा रहा था कि ड्रॉ लास वेगास में होगा, जैसे 1994 के वर्ल्ड कप में हुआ था। 2026 का टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको तीन देशों में मिलकर आयोजित होगा और इसमें पहली बार 48 टीमें भाग लेंगी। बता दें कि ड्रॉ में 48 टीमों को 12 ग्रुपों में बांटा जाएगा, हर ग्रुप में 4 टीमें होंगी।

डुडा के खिलाफ हारने से बचे विश्व चैंपियन गुकेश, प्रज्ञानंद ने भी लाग्रेव से ड्रॉ खेली बाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के फेबियानो कारूआना ने 3.5 अंक के साथ एकल बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद दूसरे और आरोनियन तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश, फिरोजा, वेसली, सेवियान और वाचियेर लाग्रेव 2.5 अंक लेकर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सिनक्यूफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट में पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ के खिलाफ हारने से बाल-बाल बचे और उन्हें अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं, पांचवें दौर में एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने भी फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव से ड्रॉ खेला। दिलचस्प बात यह है कि पांचवें दौर में सभी मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए। अमेरिका के फेबियानो कारूआना ने 3.5 अंक के साथ एकल बढ़त बना ली है। उन्होंने हमवतन वेसली सो से ड्रॉ खेला। दूसरे मुकाबलों में अमेरिका के सैमुअल सेवियान ने उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से ड्रॉ खेला जबकि लेवोन आरोनियन और फ्रांस के अलीरजा फिरोजा का मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। प्रज्ञानंद दूसरे और आरोनियन तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश, फिरोजा, वेसली, सेवियान और वाचियेर लाग्रेव 2.5 अंक लेकर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। ग्रैंड शतरंज टूर से शीर्ष चार खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाले फाइनल में जगह बनाएंगे।

एकल ग्राम नल जल योजना की मरम्मत करेगा पीएचई

प्रतिवर्ष 1000 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार

भोपाल। मप्र में एकल ग्राम नल जल योजना को सुचारु रूप से चलाने के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव सरकार ने नीतिगत फैसला किया है। इसके तहत अब प्रदेश में एकल ग्राम नल जल योजना की मरम्मत का काम पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) विभाग करेगा। इसके लिए सरकार ने प्रतिवर्ष 1000 करोड़ रुपए खर्च करने का फैसला किया है। बता दें कि प्रदेश में मल्टी विलेज नल जल योजना को लेकर विभागों के काम के बीच बंटवारा साफ-साफ है, लेकिन एकल ग्राम नल जल योजना में काम को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। इस वजह से आए दिन पंचायत विकास विभाग और पीएचई विभाग में मामला झूलता रहता है। दोनों विभाग में तनातनी भी देखने को मिलती है जो सीएम डॉ. मोहन यादव के सामने भी देखने को मिली। जहां एक ओर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी ने कहा कि पंचायत से जुड़े काम पंचायत विकास विभाग को ही मिलने चाहिए। तीन महीने की लंबी कवायद के बाद प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (संचालन एवं संधारण) का मामला सुलझ गया है। मुख्य सचिव और मंत्रियों के स्तर पर जब यह विवाद नहीं सुलझा, तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा। अब तय हुआ है कि प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं का मेंटेनेंस लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से करेगा। ग्राम पंचायतों को योजना के संचालन यानी नलों को चालू एवं बंद करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश में जल जीवन का करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है, लेकिन पिछले तीन महीने से एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस का विवाद पीएचई और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के बीच उलझा था। मई में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने दोनों विभाग के प्रमुख सचिवों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर लंबी चर्चा की, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला था। फिर तय हुआ की दोनों विभागों के मंत्रियों की संयुक्त बैठक कर उनके समक्ष मामले को रखा जाए, लेकिन यह बैठक नहीं हो पाई। इसके बाद यह मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास पहुंचा।

सीएम ने पीएचई को सौंपा 3 साल तक काम

इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फैसला किया कि अगले 3 साल तक एकल ग्राम नल जल योजना में मरम्मत का काम पीएचई विभाग ही देखेगा। इसके लिए हर साल 1000 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इसका मतलब है कि इस काम के लिए पीएचई विभाग को 3 साल में 3 हजार करोड़ रुपए का बजट मिलेगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, पीएचई मंत्री संपतिया उइके और मुख्य सचिव अनुराग जैन व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर जल जीवन मिशन की प्रगति और एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के संबंध में चर्चा की। बैठक में प्रमुख सचिव पीएचई पी. नरहरि ने ग्रामीण नल जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद निर्णय लिया गया कि एकल नल जल योजनाओं के सुचारू एवं दीर्घकालिक संचालन के लिए ग्रामीण नल जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति को 3 साल के लिए लागू किया जाए। इस नीति में एकल नल जल योजना का संचालन पूर्व की भांति संबंधित ग्राम पंचायत के द्वारा किए जाने और ग्राम पंचायतों को योजना के ऑपिरशन (संचालन) में सहयोग देने का प्रावधान किया गया है। नीति में योजना में मेंटेनेंस से संबंधित कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से किए जाने का प्रावधान है। जल्द ही ग्रामीण नल जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति को मंजूरी के लिए कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा।

योजना पर 20 हजार करोड़ खर्च

मप्र में जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजनाओं पर सरकार करीब 20 हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है। गांवों में आने वाले वर्षों में नलों से सूचारू रूप से पानी की सप्लाई हो और मिशन पर खर्च होने वाले हजारों करोड़ रुपए व्यर्थ न जाएं, इसलिए नई नीति तैयार की गई है। इस नीति के लागू होने से समूह जलप्रदाय योजनाओं की भांति एकल ग्राम नल जल योजनाओं का सुचारू एवं दीर्घकालिक संचालन हो सकेगा। इस नीति के अनुसार ग्रामीण नलजल योजनाओं का संचालन, संधारण एवं प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश में जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 27 हजार 990 है। इनके मेंटेनेंस पर सालाना करीब एक हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। यह राशि राज्य सरकार वहन करेगी।

मार्च 2027 तक पूरा होगा जल जीवन मिशन

प्रदेश में अगस्त, 2019 तक जहां केवल 12.11 प्रतिशत अंतर्गत 13 लाख 53 हजार ग्रामीण परिवारों को ही नल से जल मिल रहा था, वहीं अब यह संख्या बढक? 78 लाख 64 हजार से अधिक हो गई है। इस प्रकार 70.41 प्रतिशत ग्रामीण परिवार नल से जल सुविधा से जुड़ चुके हैं। कुल 1 करोड़ 11 लाख 69 हजार परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। पीएचई विभाग ने जल जीवन मिशन का कार्य मार्च, 2027 तक पूर्ण कर करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में बुरहानपुर और निवाड़ी हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हो चुके हैं। इन दोनों जिलों के हर घर में नल से पानी की सप्लाई की जा रही है।

जमीन भोपाल सहित पांच निगम को 130 एकड़ गोशालाओं के लिए मिलेगी

26 हजार गांवों तक पहुंचेगा डेयरी नेटवर्क, 2828 गोशालाओं में फिलहाल 4.22 लाख गोवंश

गाय का दूध भी खरीदेगी अब सरकार, चारा-भूसा अनुदान भी बढ़ाया, 946 नई दुग्ध सहकारी समितियों का किया गठन

भोपाल। पशुपालन से भी किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास प्रदेश में किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुताबिक, 2028 तक प्रदेश को देश की मिल्क केपिटल यानी दूध राजधानी बनाया जाएगा और अभी 946 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया है और 5 हजार या उससे अधिक गौवंश पालन करने पर शासन की ओर से 130 एकड़ तक भूमि आबंटित करने का प्रावधान भी किया गया है। भोपाल सहित उज्जैन, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर की नगर निगमों को गौवंश के आश्रय और भरण-पोषण के लिए ये जमीनें आबंटित की जाएंगी। प्रदेश में पशुपालन विभाग को गो-पालन विभाग का नाम दिया गया है। प्रदेश में देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत होता है, जिसे 20 प्रतिशत तक ले जाने का सरकार का लक्ष्य है। प्रदेश में गोवंश के लिए आहार की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रतिमाह दी जाने वाली राशि को 20 रु. से बढकर 40 रु. कर दिया गया है। हर घर गोकुल के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश में 946 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना में प्रदेश के ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में एक वृंदावन ग्राम बनाया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन से अधिक आय के लिए मध्यप्रदेश दुग्ध संघ के सांची ब्रांड को अधिक लोकप्रिय बनाया जा रहा है, इसके लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड से करार भी किया गया है।

26 हजार गांवों तक डेयरी नेटवर्क का विस्तार

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ दुग्ध उत्पादों की बेहतर ब्राडिंग, गोवंश की समुचित देखभाल, वेटनरी क्षेत्र में आवश्यक प्रशिक्षण और उन्नत अधोसंरचना स्थापित करने में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की विशेषज्ञता का हरसंभव लाभ लिया जा रहा है। वर्ष 2030 तक प्रदेश के 26 हजार गांवों तक डेयरी नेटवर्क का विस्तार सुनिश्चित किया जाना है। इससे 52 लाख किलोग्राम दुग्ध संकलन होगा। बढ़े हुए दुग्ध संकलन का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आधुनिकतम दुग्ध प्रसंस्करण अवसंरचना विकसित की जाएगी। प्रदेश में निर्मित होने वाले दुग्ध उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर ब्राडिंग सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश में पशुपालन और डेयरी विकास के लिए सरकार द्वारा नई योजनाएं शुरू की गई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना में पशुपालक को 25 दुधारू पशु गाय, संकर गाय, भैंस की इकाई प्रदान की जाएगी। इस इकाई की लागत 36 से 42 लाख रुपए के बीच रहेगी। योजना में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों के लिए 33 प्रतिशत एवं अन्य वर्ग के लिए 25 प्रतिशत अनुदान की व्यवस्था की गई है। सरकार अब सिर्फ भैंस का नहीं गाय का दूध भी खरीदेगी।

दुग्ध उत्पादन में निरंतर वृद्धि

गाय के दूध की खरीद की कीमत बढ़ाई जाएगी। प्रदेश में स्वावलंबी गो-शालाओं की स्थापना नीति 2025 भी लागू की गई है। इसके अंतर्गत नगरीय क्षेत्र में उपलब्ध गोवंश के आश्रय एवं भरण पोषण के लिए 05 हजार गो-वंश से अधिक की क्षमता वाली वृहद गो-शालाएं नगर निगम ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, भोपाल और जबलपुर में स्थापित की जा रही हैं। गो-संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री दुधारू पशु योजना, कामधेनु निवास योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम, नस्ल सुधार कार्यक्रम के साथ ही विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का प्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से प्रदेश में न केवल गोवंश का समुचित पालन-पोषण किया जा रहा है, अपितु दुग्ध उत्पादन में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रदेश में स्वाबलंबी गो-शालाओं की स्थापना नीति पर तेज गति से कार्य किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत प्रदेश में 28 स्थान चिन्हित किए गए हैं तथा 8 स्वयं सेवी संस्थाओं को भूमि भी आबंटित भी की जा चुकी है।

चेतना का शुद्ध होना अत्यंत आवश्यक

ब्रह्मचारी गिरीश जी महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी का दो दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ भारत को आदर्श भारत कैसे बनाएं विषय पर दिनांक 24 अगस्त को आयोजित परिचर्चा से हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित करके शुभारंभ करते हुए वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के आदर्श भारत एवं अजेय भारत को अब सरकारों ने अपना लिया है। आदर्श भारत अभियान में 10 वर्षों के दौरान लाखों भारतीय नागरिक जुड़े हैं जिनको आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है। ज्ञान का गहराई में समावेश हो यही आदर्श भारत की पृष्ठभूमि है। महर्षि जी ने वर्ष 1982 में आदर्श भारत अभियान को शुरू किया था जिसमें सामाजिक विज्ञान से लेकर कृषि एवं लोक प्रशासन सहित समस्त क्षेत्रों को समाहित किया गया था। ब्रह्मचारी गिरीश जी ने आगे कहा कि राम राज्य की अवधारणा की प्रत्येक विषय वस्तु आदर्श भारत में समाहित है। महर्षि जी का कहना था कि केवल राष्ट्रीय कानून नहीं बल्कि प्राकृतिक नियमों का पालन हम सभी के लिए आवश्यक है इसलिए आदर्श भारत अभियान में प्राकृतिक न्याय को प्रमुखता के साथ शामिल किया गया है। अपनी बात आगे रखते हुए ब्रह्मचारी जी गिरीश जी का कहना था कि वेद को सृष्टि का संविधान कहा गया है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार इसका आधार है। इसमें समस्त वैदिक क्षेत्र अर्थात धर्म, संस्कृति, शिक्षा, प्रबंधन और प्रशासन जैसे सभी विषय शामिल है। महर्षि जी की इन्हीं संकल्पना को लेकर हम सभी को आदर्श भारत अभियान को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद महाराज ने कहा कि कल वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी का जन्मदिन है इसलिए आज अग्रिम शुभकामनाएं आदर्श भारत के शुभारंभ पर। महाराज जी का कहना था कि भारत वर्षों से एक राष्ट्र रहा है और हमारे वेदों में नैतिकता अत्यधिक कठोर है। हमारा धर्म,अधर्म एवं अशांति को मान्यता नहीं देता। यहां पर नदी के दो किनारे हैं एक समस्या है दूसरी ओर समाधान है और बीच में संत है। गांधी जी ने कहा था की राजनीति सेवा का माध्यम है किंतु नेता शासन करने आते हैं और उसको प्रशासन का नाम दे दिया जाता है। स्वामी जी का कहना था कि वेद विज्ञान के क्षेत्र में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के दो आधार हैं पहला धर्म और दूसरे का आधार ड्रग्स इसलिए हमें धर्म का मार्ग चुनना है और हम सभी को आदर्श भारत की ओर बढ़ता है। इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रिंतकर दिवाकर जी का कहना था कि महर्षि जी एक छोटे से गांव में जन्म लेकर पूरी दुनिया में भारत के वैदिक ज्ञान की धर्म ध्वजा फहरा दी इसी तरह हमें सबसे पहले अपने वार्ड, अपने गांव एवं अपने शहर को आदर्श भारत बनाना होगा। यदि इंदौर के लोग स्वच्छता में परचम लहरा सकते हैं तो भोपाल वासी क्यों नहीं। इसके लिए हमें योग एवं कर्तव्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करना होगा जिससे आदर्श भारत धरातल पर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर पंजाब हुआ हरियाणा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि शंकर झा ने कहा कि महर्षि जी ने अच्छे भाव से आदर्श भारत की बात रखी थी जिसकी सोच पर आज पूरी दुनिया में कार्य हो रहा है। महर्षि संस्थान पहले से ही वैदिक शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में कार्य कर रहा है इसलिए आदर्श भारत का रोड मैप क्या होगा हमसे अच्छी तरह से महर्षि संस्थान का प्रबंध यह बता सकता है हम तो केवल साथ में चलने के लिए तैयार हैं। लेकिन एक बात महत्वपूर्ण है कि इसमें हमें महत्वपूर्ण मूलभूत अधिकारों के साथ-साथ मूलभूत कर्तव्यों को भी अपनाना होगा यह मैं अवश्य कह सकता हूं। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय ने कहा कि आदर्श भारत का सपना महर्षि जी का था महर्षि संस्थान का है और संपूर्ण भारत में इस पर कार्य किया जाएगा। इसलिए हम सभी लोगों को मिलकर महर्षि जी के सिद्धांतों के अनुरूप आदर्श भारत की स्थापना करनी होगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर की जानकारी देने में दे रहे कालेज

15 सितंबर तक का समय

भोपाल। ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन की ओर से शैक्षणिक संस्थान, कॉलेजों की विस्तृत जानकारी उच्च शिक्षा विभाग से चाही गई है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग में सभी यूनिवर्सिटी लगातार आनाकानी कर रही हैं कि कॉलेज के समस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर की जानकारी उपलब्ध करवाएं। इसके लिए लगातार अल्टीमेटम भी दिए जा रहे हैं। अब 15 सितंबर तक की समयसीमा तय की गई है। प्रदेश के सभी कॉलेजों में क्लास रूम, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की संख्या एवं योग्यता, पाठ्यक्रम की संख्या, विद्यार्थियों की सीट, खेल का मैदान, वित्तीय स्थितियों आदि अन्य जानकारी को यूनिवर्सिटियों के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग तक पहुंचाया जाना है। दरअसल निजी कॉलेज संचालक अपनी खामियों को छुपाने के लिए इन जानकारी को विधिवत फॉर्मेट में जमा नहीं कर रहे हैं, जिससे उच्च शिक्षा विभाग ने नाराजगी भी जताई है। अब यूनिवर्सिटियों को सख्त हिदायत दी है कि वह अपने अधीन सभी कॉलेजों की जानकारी तय समयसीमा में भेजें। जो कॉलेज नियमों का पालन नहीं करते हैं उनकी मान्यता-संबद्धता को निरीक्षण के पश्चात रद्द तक किया जा सकता है। प्रदेशभर में 1300 से ज्यादा सरकारी कॉलेज हैं, वहीं देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के अंतर्गत 190 कॉलेज की जानकारियां विधिवत फॉर्मेट में देना हैं।

नड्डा आज स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने ऐतिहासिक निर्णयों और जनहितैषी पहलों का करेंगे शुभारंभ

श्योपुर और सिंगरौली के नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का करेंगे लोकार्पण

धार, बैतूल, पन्ना और कटनी में पीपीपी मॉडल पर चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना के लिए अनुबंधों पर होंगे हस्ताक्षर

भोपाल। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा 25 अगस्त को जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केन्द्र में मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाले ऐतिहासिक निर्णयों और जनहितैषी पहल का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में श्योपुर और सिंगरौली में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का लोकार्पण होगा। साथ ही धार, बैतूल, पन्ना और कटनी जिलों में पीपीपी मॉडल पर चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना के लिए अनुबंधों पर हस्ताक्षर होंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए वय वंदना कार्ड वितरण, मातृ-शिशु सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाली योजनाएँ और डिजिटल नवाचार के रूप में स्मार्ट चैटबॉट का शुभारंभ किया जाएगा। इन पहलों से प्रदेश में चिकित्सा अधोसंरचना, जनस्वास्थ्य सुरक्षा और तकनीक आधारित सेवाओं का व्यापक विस्तार होगा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को 8 लाख वय वंदना कार्ड का वितरण किया जाएगा। प्रदेश में तकनीकी सशक्तिकरण का नया अध्याय जोड़ते हुए स्मार्ट चैटबॉट (आयुष्मान एवं सखी) का शुभारंभ होगा। यह चैटबॉट आमजन को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और परामर्श प्राप्त करने का आसान माध्यम बनेगा। इसके अतिरिक्त आशा कार्यकताओं से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी मजबूती को सुदृढ़ किया जाएगा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड का वितरण भी किया जाएगा।

26 अगस्त से एक सितंबर तक च्वाइस फिलिंग, दो से तीन सितंबर तक सीट अलॉटमेंट

नीट यूजी के पहली काउंसलिंग का रजिस्ट्रेशन प्रोसेस एक सितंबर तक

चार सितंबर को सीट अलॉटमेंट रिजल्ट, पांच से 12 सितंबर तक रिपोर्टिंग।

भोपाल। केंद्रीय आयुष प्रवेश परामर्श समिति (एएसीसी) ने अपनी आफिसियल वेबसाइट पर नोटिफिकेशन जारी कर नीट यूजी-2025 की रैंक द्वारा 15 प्रतिशत अखिल भारतीय कोटा, केंद्रीय संस्थान, सरकारी अनुदान प्राप्त संस्थान, डीम्ड यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग शेड्यूल घोषित कर दिया है। यह काउंसलिंग बीएएमएस/ बीएसएमएस/ बीएचएमएस/ बीयूएमएस/ बी फार्मा (आयुष) कोर्सेज में प्रवेश के लिए संचालित की जाएगी।करियर काउंसलिंग एक्सपर्ट पारिजात मिश्रा ने बताया कि प्रथम काउंसलिंग का रजिस्ट्रेशन प्रोसेस एक सितंबर तक चलेगा। 26 अगस्त से एक सितंबर के मध्य विद्यार्थियों को आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी तथा सिद्धा कोर्सेज के कॉलेजों की च्वाइस को अपनी इच्छानुसार भरना होगा। इसके लिए विद्यार्थियों को निर्धारित फीस का भुगतान भी करना होगा। एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी को देने होंगे 500 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस सरकारी कॉलेज, सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज, केंद्रीय विश्वविद्यालय/ राष्ट्रीय संस्थान (सीयू/एनआई) के लिए जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी एनसीएल की फीस 1000 रुपये, एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी 500 रुपये तथा डीम्ड यूनिवर्सिटीज के लिए 5000 रुपये रखी गई है। इसके साथ ही सभी कैडिडेट्स को सरकारी कॉलेज, सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज, केंद्रीय विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संस्थान (सीयू/एनआई) मे च्वाइस फिलिंग के लिए सिक्योरिटी डिपोजिट 20000 रुपये भी जमा करवाना होगा। डीम्ड यूनिवर्सिटीज के लिए सिक्योरिटी डिपोजिट की राशि 50000 रुपये रहेगी।

किसानों को सिखाया जाएगा पराली व नरवाई का प्रबंधन

हैप्पी सीडर मशीन से होगा प्रबंधन, इसकी खरीद पर किसानों को मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी।

भोपाल। प्रदेश में हुई रिकार्ड वर्षा के बीच धान का रकबा लक्ष्य से अधिक बढ़ गया है। इसके साथ ही पराली की समस्या भी डराने लगी है, क्योंकि पिछले साल देश में सबसे अधिक पराली अंचल के श्योपुर और दतिया में जलाई गई थी। बहरहाल, कृषि विभाग ने इस समस्या का समाधान निकाल लिया है। कृषि विभाग ने किसानों को पराली का प्रबंधन सिखाने की योजना बनाई है। योजना कारगर साबित हुई तो किसानों को दोहरा फायदा होगा। यानी पराली की समस्या का समाधान होगा और बुवाई के लिए खेत की बार-बार जुताई से मुक्ति मिलेगी। एक बार में ही खेत की पराली समस्या का हल और बीज की बुवाई भी हो जाएगी। यह काम हैप्पी सीडर मशीन से होगा। कृषि विभाग किसानों को 250 हेक्टेयर जमीन पर हैप्पी सीडर से पराली प्रबंधन व जुताई का तरीका सिखाएगा। हैप्पी सीडर एक आधुनिक कृषि मशीन है, जो खासतौर पर पराली (फसल कटने के बाद बचा हुआ डंठल और पुआल) जलाने की समस्या का समाधान करेगी। हैप्पी सीडर को ट्रैक्टर से जोड़ा जाता है। यह पहले खेत में पड़ी हुई पराली को काटकर साइड में फैला देती है। उसी समय मशीन जमीन में गेहूं या अन्य रबी की फसल का बीज बो देती है।

क्या है कृषि विभाग की पूरी योजना

स्थानीय कृषि विभाग धान की पैदावार करने वाले अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे 250 किसानों को चिह्नित कर रहा है, जिनके पास कम से कम एक हेक्टेयर जमीन हो। धान की फसल होने के बाद इन किसानों के खेतों में हैप्पी सीडर से सीधे पराली को काटकर, खेत जोतकर गेहूं की बुवाई कराई जाएगी। हैप्पी सीडर मशीन की कीमत 1.5 लाख से 3 लाख रुपये के बीच है। इस पर सरकार 50 प्रतिशत से अधिक सब्सिडी दे रही

दुश्मन को दहला देने वाले रशियन टैंक मप्र में होंगे रिपेयर

वॉर टैंक रिपेयरिंग हब की जल्द शुरुआत

भोपाल। भारतीय सेना में शामिल शाक्तिशाली रूसी मूल के टी-90 और टी 72 टैंक की जल्द मध्यप्रदेश में रिपेयरिंग होगी। इन टैंकों की रिपेयरिंग के लिए मध्यप्रदेश में जल्द ही वॉर टैंक रिपेयरिंग हब बनने जा रहा है। मध्यप्रदेश के दौरे पर आई केन्द्रीय रक्षा संयुक्त सचिव गरिमा भगत ने भोपाल में डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स की मीटिंग में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के जबलपुर, कटनी, इटारसी और सागर के बीच डिफेंस कॉरिडोर की भरपूर संभावनाएं हैं। जबलपुर में टैंक रिपेयरिंग हब के लिए करीबन

300 करोड़ का निवेश प्रस्ताव भी मिला है। **डिफेंस सेक्टर का बड़ा केन्द्र बन सकता है एमपी-** मैन्युफैक्चरर्स और अधिकारियों से चर्चा के दौरान केन्द्रीय रक्षा संयुक्त सचिव ने कहा, मध्यप्रदेश के जबलपुर में 24 सितंबर को एमएसएमई कॉन्क्लेव आयोजित होने जा रही है। डिफेंस सेक्टर में जबलपुर में अच्छी संभावनाएं मौजूद हैं। यहां पहले से ही व्हीकल फैक्ट्री और गन कैरिज फैक्ट्री मौजूद हैं। व्हीकल फैक्ट्री में भारतीय सेना के शक्तिशाली टैंक टी-90 और टी-72 की रिपेयरिंग का भी प्रस्ताव है। मध्यप्रदेश में रक्षा क्षेत्र में निवेश को लेकर बड़ी संभावना मौजूद है और केन्द्र सरकार इसमें प्रदेश का सहयोग कर रही है।

टी-90 टैंक मूल रूप से रूसी युद्धक टैंक हैं

इसका भारतीय नाम भीष्म दिया गया है। इसे विश्व के सबसे घातक टैंकों में से एक माना जाता है। 2003 से ही यह भारतीय सेना का मुख्य युद्ध टैंक है। इसे लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इसी तरह टी-72 टैंक अब पुराने हो चले हैं, टी 90 टैंक टी-72 का ही अपग्रेड वर्जन है। टी-72 टैंक को भी लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इन टैंकों में अब 1 हजार एचपी के इंजन लगाए जा रहे हैं। अभी इसमें 780 एचपी के इंजन लगे हैं।

देश का तीसरा बड़ा सेंटर बनेगा मध्यप्रदेश

जबलपुर में मेंटेनन्स, रिपेयर और ऑपरेशन सेंटर प्रस्तावित किया गया है। यदि इसने आकार लिया तो यह दिल्ली और चेन्नई के बाद देश का तीसरा बेस टैंक ओवरहॉल फैसिलिटी सेंटर होगा, जहां टैंकों की रिपेयरिंग कर उन्हें नया रूप दिया जाएगा। दिल्ली और चेन्नई में फिलहाल यह काम हो रहा है, लेकिन काम का ज्यादा भार है। इसे देखते हुए इसका तीसरा सेंटर बनाने की ओर कदम आगे बढ़ाए जा रहे हैं। जबलपुर वैसे भी देश का बड़ा डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब है। यहां गन कैरिज, बुलेटप्रूफ व्हीकल्स और गोला-बारूद बनाकर देश की सेना की बड़ी जरूरतें पूरी की जाती हैं। जबलपुर में 1904 में पहली पहली बार फैक्ट्री लगाई गई थी और सेना से जुड़े हथियार बनाना शुरू किए गए थे।

अखंड सौभाग्य की कामना के साथ महिलाएं रखेंगी व्रत

भोपाल। महिलाओं द्वारा किए जाने वाला हरतालिका तीज का पर्व इस बार मंगलवार, 26 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन पुराने शहर स्थित सौभाग्येश्वर महादेव मंदिर में बड़ी संख्या में महिलाएं व्रत रखकर भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना करेंगी। मंदिर में पूजन का सिलसिला सोमवार रात 12 बजे से ही शुरू हो जाएगा। पारंपरिक मान्यता के अनुसार विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और अविवाहित युवतियां उत्तम वर की कामना से व्रत रखती हैं। इस दौरान महिलाएं कथा सुनेंगी और शिव-पार्वती का विशेष पूजन करेंगी।सौभाग्येश्वर महादेव मंदिर, चौरासी महादेव मंदिरों में से 61वें स्थान पर आता है।

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048